▸▸वर्ष : 34 ▸▸अंक : 315 ▸▸मुंबई, बुधवार, 21 जनवरी 2026 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

# DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

## आरक्षण की लॉटरी और संख्याबल का गणित

गुरुवार सुबह 11 बजे मंत्रालय में नगर विकास राज्यमंत्री माधुरी मिसाल की अध्यक्षता में 29 महापालिकाओं के महापौर पद के लिए लॉटरी निकाली जाएगी। चर्चा है कि यदि मुंबई महापौर का पद अनुसूचित जनजाति (ST) या अनुसूचित जनजाति महिला के लिए आरक्षित होता है, तो भाजपा और शिंदे गुट के पास बहुमत होने के बावजूद उनके पास इस वर्ग का कोई नगरसेवक नहीं है। ऐसी स्थिति में बाजी उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (UBT) के हाथ लग सकती है।

- लॉटरी में एसटी का आरक्षण निकला तो उद्धव का महापौर तय
- राऊत ने लगाया नगरसेवकों के फोन टैप करवाने का आरोप

# 'आरक्षण' बनेगा 'किंगमेकर'

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

**मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के परिणाम आने के बाद अब सत्ता के गलियारों में सबसे बड़ा सवाल यह है कि देश की सबसे अमीर महानगरपालिका का अगला महापौर कौन होगा? हालांकि भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और महायुति के पास स्पष्ट बहुमत है, लेकिन राजनीतिक समीकरणों में एक अप्रत्याशित मोड़ आने की संभावना जताई जा रही है। यह पूरा उलटफेर गुरुवार को निकलने वाली महापौर पद की आरक्षण लॉटरी पर टिका है।**

## शिवसेना (UBT) के पास 'ट्रंप कार्ड'

बीएमसी चुनाव में प्रभाग क्रमांक 53 और 121 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित थे। इन दोनों ही सीटों पर शिवसेना (UBT) ने जीत दर्ज की है। प्रभाग 53 से जितेंद्र वलवी और प्रभाग 121 से प्रियदर्शनी ठाकरे ने शिंदे गुट के उम्मीदवारों को शिकस्त दी है। चूंकि महायुति या अन्य किसी दल के पास एसटी वर्ग का कोई निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं है, इसलिए आरक्षण की स्थिति में उद्धव गुट का महापौर निर्विरोध चुना जाना तय माना जा रहा है।

## उद्धव ठाकरे की 'देवा' उम्मीद

पिछले 25 वर्षों से बीएमसी पर काबिज रही शिवसेना के लिए यह साख की लड़ाई रही। मातोश्री में शिवसैनिकों को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने विश्वास जताया कि 'देवा' की इच्छा हुई तो महापौर उनका ही होगा। साल 2026 बालासाहेब ठाकरे का जन्मशताब्दी वर्ष है, ऐसे में उद्धव गुट किसी भी कीमत पर महापौर पद अपने पास रखना चाहता है। पिछली बार यह पद सामान्य महिला वर्ग के पास था, जब किशोरी पेडणेकर महापौर बनी थीं।

## महायुति के भीतर पद को लेकर खींचतान

चुनाव परिणामों में भाजपा 89 सीटों के साथ पहले स्थान पर है, जबकि शिवसेना (UBT) दूसरे और शिंदे गुट 29 सीटों के साथ तीसरे स्थान पर है। सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते भाजपा महापौर पद पर अपना दावा ठोक रही है। वहीं, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला गुट भी इस पद के लिए इच्छुक है। लेकिन इस आपसी खींचतान के बीच आरक्षण का पेंच दोनों ही दलों की रणनीतियों पर पानी फेर सकता है।

## फोन टैपिंग के आरोपों से गर्मायी राजनीति

महापौर पद की दौड़ के बीच शिवसेना (UBT) नेता संजय राऊत ने सत्तारूढ़ गठबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राऊत का दावा है कि भाजपा और शिंदे गुट के नवनिर्वाचित नगरसेवकों के फोन टैप किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपने ही कार्यकर्ताओं से अपने नगरसेवकों पर नजर रखवा रही है और होटल में ठहरे शिंदे गुट के पार्षदों की गतिविधियों की निगरानी की जा रही है, जो लोकतंत्र के लिए खतरा है। भाजपा ने राऊत के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। प्रदेश भाजपा मीडिया प्रभारी और नवनिर्वाचित नगरसेवक नवनाथ बन ने कहा कि पार्टी को अपने नगरसेवकों पर पूरा भरोसा है और उसे फोन टैपिंग की कोई आवश्यकता नहीं है।

# हार से सबक

- राकांपा के दोनों गुट मिलकर लड़ेंगे जिला परिषद–पंचायत समिति चुनाव
- बीएमसी नतीजों के बाद 23 जनवरी को ठाकरे भाई एक बार फिर साथ आएंगे नजर

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

**मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। शिवसेना (उद्धव) प्रमुख उद्धव ठाकरे और मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे आगामी 23 जनवरी को बालासाहेब ठाकरे की जयंती के अवसर पर एक ही मंच साझा करेंगे। लगभग दो दशक के लंबे अंतराल के बाद दोनों भाइयों का किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में साथ आना एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत है। इस बीच, उद्धव ठाकरे ने दादर में निर्माणाधीन बालासाहेब ठाकरे स्मारक के कार्य की प्रगति का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को काम में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि यह स्मारक केवल एक ढांचा नहीं, बल्कि मराठी अस्मिता और उनकी विचारधारा का जीवंत प्रतीक है।**

## राकांपा के दोनों गुटों का चुनावी गठबंधन

दूसरी ओर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के भीतर भी एक बड़ा घटनाक्रम हुआ है। नगर परिषद और मनपा चुनावों में मिली हार से सबक लेते हुए, अजित पवार और शरद पवार के नेतृत्व वाले दोनों गुटों ने आगामी जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव मिलकर लड़ने का निर्णय लिया है। मतों के बंटवारे को रोकने के लिए स्थानीय स्तर पर तालमेल बिठाया जाएगा, जिसके तहत किसी भी क्षेत्र में दोनों गुटों में से केवल एक ही साझा उम्मीदवार उतारा जाएगा। हालाँकि उम्मीदवार अपनी मूल पार्टी के चुनाव चिह्न पर ही चुनाव लड़ेंगे, लेकिन यह आपसी सहमति विपक्षी दलों के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा तैयार करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

## सत्ता पक्ष को जवाब देने की रणनीति और पारिवारिक एकजुटता

उद्धव और राज ठाकरे के इस साथ आने के पीछे एक सोची-समझी रणनीति भी दिखाई दे रही है। दरअसल, दोनों नेता विपक्ष और सत्ता पक्ष को यह कहने का कोई अवसर नहीं देना चाहते कि उनकी नजदीकी केवल चुनावी फायदे या बीएमसी चुनावों तक सीमित है। यही कारण है कि उन्होंने बालासाहेब की जयंती जैसे भावनात्मक और महत्वपूर्ण अवसर को अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए चुना है। यह कदम न केवल उनके कार्यकर्ताओं में नया जोश भरेगा, बल्कि राज्य की राजनीति में ठाकरे परिवार के बढ़ते प्रभाव और बदलती समीकरणों को भी रेखांकित करेगा।

# फिर फरार हो सकता है अबू सलेम

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

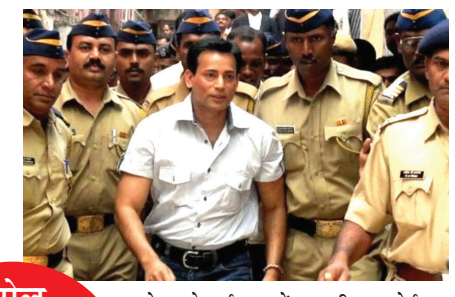

महाराष्ट्र सरकार ने अबू सलेम की 14 दिन की पैरोल याचिका का विरोध करते हुए हाईकोर्ट से कहा कि अगर उसे पैरोल दी गई तो उसके भागने का अंदेशा है। सरकार ने बताया कि सलेम 1993 में देश से भाग चुका था और उसे शर्तों के तहत पुर्तगाल से प्रत्यर्पित किया गया था। राज्य की ओर से जेल महानिरीक्षक सुहास वार्के ने हलफनामा दाखिल कर कहा कि सलेम अंतरराष्ट्रीय स्तर का गैंगस्टर है और उसे पैरोल देने से कानून और व्यवस्था की गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। सरकार ने यह भी चेतावनी दी कि सलेम को पैरोल देने से भारत और पुर्तगाल के बीच राजनयिक संकट पैदा हो सकता है। भारत सरकार सलेम के प्रत्यर्पण के समय पुर्तगाली सरकार को दिए गए आश्वासनों से बंधी हुई है।

**पैरोल पर महाराष्ट्र सरकार का हाईकोर्ट में सख्त ऐतराज**

सलेम को पुर्तगाल में नकली पासपोर्ट पर यात्रा करने के आरोप में दोषी ठहराए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था और नवंबर 2005 में भारत प्रत्यर्पित किया गया था।

### सुनवाई 28 जनवरी को

सलेम की याचिका पर सुनवाई न्यायमूर्ति अजय गडकरी और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की पीठ के समक्ष हुई। इस दौरान सीबीआई ने कहा कि वह अभियोजन एजेंसी है और प्रतिवादी के रूप में शामिल किया जाना चाहिए। अब अदालत ने 28 जनवरी को सलेम के पैरोल मामले की सुनवाई तय की है। सलेम ने अपने बड़े भाई अबू हाकिम अंसारी की मौत के बाद पैरोल की याचिका दाखिल की थी, जिसमें उसने कोर्ट की क्रिसमस की छुट्टियों के कारण देरी होने का कारण बताया।

## ब्रीफ न्यूज़

### मुंबई की 'मध्यम' वायु गुणवत्ता पर हाईकोर्ट नाराज

**मुंबई।** मुंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को महानगर में दर्ज की जा रही 'मध्यम' श्रेणी की वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) पर असंतोष जताया। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति सुमन श्याम की पीठ ने स्पष्ट कहा कि अदालत इस स्तर की वायु गुणवत्ता से संतुष्ट नहीं है और वायु प्रदूषण के मुद्दे पर 23 जनवरी को विस्तृत विचार करेगी। अदालत ने तीन वर्ष पहले मुंबई में बिगड़ती वायु गुणवत्ता का स्वतः संज्ञान लिया था और समय-समय पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) तथा महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) को सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

### सरकार ने बीएमसी चुनाव परिणामों पर गजट अधिसूचना जारी की

**मुंबई।** महाराष्ट्र सरकार ने 15 जनवरी को हुए बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों के अंतिम परिणाम की घोषणा को अधिसूचित कर दिया है और महानगर के 227 वार्डों से सभी नवनिर्वाचित पार्षदों के नाम राजपत्र में प्रकाशित कर दिए हैं। नगर निकाय के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। चुनाव के 16 जनवरी को घोषित हुए नतीजों में भाजपा ने 89 सीटें जीतीं जबकि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 29 सीटें हासिल कीं जिससे गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिल गया।

### चंद्रपुर में अगला महापौर कांग्रेस का होगा : वडेट्टीवार

**मुंबई।** महाराष्ट्र के चंद्रपुर नगर निगम (सीएमसी) के चुनाव में सबसे अधिक सीट जीतने वाली कांग्रेस अब अपना महापौर बनाएगी और नए नगर निगम प्रशासन का नेतृत्व करेगी। पार्टी के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

# मलाड और घाटकोपर में आगजनी से हड़कंप मचा

### ▸▸घटना में जान-माल का नुकसान नहीं

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई के मलाड और घाटकोपर इलाकों में मंगलवार को अलग-अलग स्थानों पर आग लगने की घटनाओं से हड़कंप मच गया। दोनों ही मामलों में फायर ब्रिगेड की टीम ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि किसी भी घटना में जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। मुंबई नगर निगम के प्रवक्ता के अनुसार, सुबह एक पुल के पास बोरीवली जाने वाली एक निजी स्लीपर कोच बस में अचानक आग लग गई। बस चालक और कंडक्टर ने तत्परता दिखाते हुए वाहन को सड़क किनारे

### घाटकोपर में रिहायशी इमारत में आग

इसी तरह घाटकोपर वेस्ट के नारायण नगर में महेंद्र अस्पताल के पास स्थित एक इमारत की तीसरी मंजिल पर आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही निवासियों ने तुरंत इमारत खाली कर दी। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन तीसरी मंजिल पर स्थित घरों का सामान जलकर खाक हो गया। घाटकोपर पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

### उमेश कोल्हे हत्याकांड

# यूसुफ को नहीं मिली जमानत

### ▸▸एनआईए ने आरोपी खान की जमानत का किया विरोध

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने 21 जून 2022 को अमरावती के केमिस्ट उमेश प्रहलाद राव कोल्हे हत्याकांड के मुख्य आरोपी यूसुफ बहादुर खान को जमानत देने से इंकार कर दिया। अदालत ने कहा कि आरोप प्रथम दृष्टया गंभीर और जघन्य हैं, जो समाज के मूल और लोगों के विश्वास को प्रभावित करते हैं। न्यायमूर्ति अजय गडकरी और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की पीठ ने कहा कि अदालत अपने विवेक का इस्तेमाल आरोपी के पक्ष में जमानत देने के लिए नहीं कर सकती।

### साक्ष्यों की वैधता और अदालती प्रक्रिया

पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि दस्तावेज और जांच एजेंसी द्वारा इकट्ठा किए गए सबूतों को यथावत मानना जरूरी है। पहली सूचना रिपोर्ट में दर्ज आरोपों का समर्थन करने वाले सबूत तब तक मान्य रहेंगे जब तक कि उन्हें अन्य प्रमाणों से गलत साबित न किया जाए। कोर्ट ने कहा कि इस स्टेज पर किसी दस्तावेज को अस्वीकार्य मानकर खारिज करना उचित नहीं है और चार्जशीट में सबूतों का विस्तृत विश्लेषण होना जरूरी नहीं है।

### गिरफ्तारी और जांच की जानकारी

मुख्य आरोपी यूसुफ खान और अन्य आरोपियों को 2 जुलाई 2022 को नागपुर से गिरफ्तार किया गया। उनसे पूछताछ के बाद मुख्य साजिशकर्ता यूसुफ खान (44), मुद्दसीर अहमद (22), शाहरुख पठान (25), अब्दुल तौफीक (24), शोएब खान (22) और आतिब रशीद (22) को गिरफ्तार किया गया। बाद में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी थी। विशेष एनआईए कोर्ट ने पहले ही खान की जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी।

# महाराष्ट्र में बढ़ेगी ठंड

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के मौसम में एक बार फिर बड़ा उलटफेर होने वाला है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने राज्य के लिए चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि अगले कुछ दिनों में उत्तरी महाराष्ट्र और विदर्भ के कई हिस्सों में कड़ाके की ठंड वापसी करेगी। हालांकि अगले तीन दिनों तक ठंड का असर हल्का रहेगा, लेकिन उसके बाद न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट दर्ज की जाएगी। वर्तमान में राज्य के मौसम में काफी अनिश्चितता देखी जा रही है। जहां कुछ इलाकों में सुबह और रात के समय हल्की बूंदाबांदी हो रही है, वहीं दोपहर के वक्त तेज धूप लोगों को परेशान कर रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले 72 घंटों के बाद उत्तरी महाराष्ट्र और विदर्भ में न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की कमी आएगी, जिससे रातें और अधिक

**उत्तरी महाराष्ट्र और विदर्भ में कड़ाके की ठंड की चेतावनी, 4 डिग्री तक गिरेगा**

### निफाड़ और गोंदिया में सबसे ज्यादा ठंड

राज्य के तापमान के आंकड़ों पर नजर डालें तो निफाड़ 7.9 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा स्थान रहा है। वहीं, विदर्भ के गोंदिया में न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि निफाड़, गोंदिया और धुले जैसे क्षेत्रों में फिलहाल शीतलहर जैसी स्थिति बनी रहेगी और आने वाले दिनों में यहां पारा और नीचे जा सकता है। उत्तर महाराष्ट्र के नासिक, धुले और जलगांव में सुबह के समय कंपकंपी बढ़ने के आसार हैं।

### पश्चिमी महाराष्ट्र: दिन में गर्मी, रात में ठंड

पुणे सहित पश्चिमी महाराष्ट्र के जिलों में दिन और रात के तापमान में बड़ा अंतर (Diurnal Variation) देखा जा रहा है। पुणे शहर और ग्रामीण इलाकों में दोपहर का तापमान 30 से 31 डिग्री तक पहुंच सकता है, जबकि रात का न्यूनतम तापमान 12 से 15 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है। सातारा, सांगली और कोल्हापुर में भी यही स्थिति बनी रहेगी।

**हिंद दी चादर** शहीदी समागम समारोह को वैश्विक स्तर पर ले जाएं: मिसाल

# नांदेड़ में वैश्विक समागम की तैयारी, 10 लाख लोगों के लिए होगा लंगर

देवेंद्रनाथ जैसवार | नांदेड़/मुंबई

नौवें गुरु, श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी वर्ष के अवसर पर महाराष्ट्र सरकार एक भव्य 'शहीद समागम' समारोह का आयोजन करने जा रही है। इस ऐतिहासिक आयोजन को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए नगर विकास राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने प्रशासन को 'फुल प्रूफ' योजना के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं। नांदेड़ के असरजन इलाके में 52 एकड़ के विशाल मैदान पर होने वाले इस आयोजन में देश की दिग्गज हस्तियों का जमावड़ा लगेगा।

### प्रशासनिक तालमेल पर जोर

मुंबई से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित समीक्षा बैठक में राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने स्पष्ट किया कि यह आयोजन केवल नांदेड़ तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसका संदेश पूरी दुनिया में जाना चाहिए। उन्होंने शहरी विकास, परिवहन, सामाजिक न्याय और अल्पसंख्यक विकास जैसे विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी राहुल कर्डिले सहित राज्य स्तरीय समिति के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

### VVIP अतिथियों का लगेगा तांता

24 और 25 जनवरी को आयोजित होने वाले इस मुख्य समारोह में देश की प्रमुख राजनीतिक और आध्यात्मिक हस्तियां शामिल होंगी। जिलाधिकारी के अनुसार, कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और आंध्र प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री पवन कल्याण सहित कई राज्यों के मंत्री और संत-महात्मा शिरकत करेंगे।

### भक्तों के लिए 'टेंट सिटी' और आवास की व्यवस्था

लाखों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कार्यक्रम स्थल के पास दो अत्याधुनिक 'टेंट सिटी' विकसित की गई हैं। एक टेंट सिटी में करीब 14 हजार भक्तों के ठहरने की क्षमता है। इसके अलावा शहर के मंगल कार्यालयों और स्कूलों में भी अतिरिक्त आवास की व्यवस्था की गई है।

संजय पाटिल हत्याकांड

# अब एसआईटी करेगी जांच

## IPS पराग मनेरे करेंगे 32 वार वाली 'क्रूर' हत्या की जांच

डीबीडी संवाददाता । अंबरनाथ

रियल एस्टेट कारोबारी संजय पाटिल की सनसनीखेज हत्या के मामले में करीब डेढ़ साल बाद न्याय की उम्मीद जगी है। मुंबई हाई कोर्ट के कड़े रुख और स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताने के बाद, इस हाई-प्रोफाइल मर्डर केस की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) का गठन किया गया है। कोर्ट ने स्पष्ट आदेश दिया है कि इस जघन्य अपराध की जांच अब एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी की देखरेख में होगी। यह मामला 22 अक्टूबर 2024 की रात का है, जब अंबरनाथ इलाके में संजय पाटिल पर हमलावरों ने घात लगाकर हमला किया था। हमला इतना क्रूर था कि पाटिल के शरीर पर चाकू से 32 बार वार किए गए थे। रात करीब 10 बजे हुई इस वारदात ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी थी। डेढ़ साल बीत जाने के बाद भी मुख्य साजिशकर्ताओं की गिरफ्तारी न होने से कानून व्यवस्था पर सवाल उठ रहे थे।

### बेटे की याचिका और हाई कोर्ट का हस्तक्षेप

स्थानीय जांच से असंतुष्ट होकर संजय पाटिल के बेटे हार्दिक पाटिल ने मुंबई हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका पर सुनवाई के दौरान माननीय न्यायालय ने पुलिस की अब तक की सुस्त जांच पर कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने आदेश दिया कि हत्या जैसे गंभीर मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए इसकी जांच उपायुक्त (DCP) रैंक के अधिकारी से कराई जाए। हाई कोर्ट के निर्देशानुसार, अब इस मामले की जांच की जिम्मेदारी आर्थिक अपराध शाखा (EOW) के उपायुक्त पराग मनेरे को सौंपी गई है। कोर्ट ने जांच पूरी करने के लिए 12 हफ्तों की सख्त समय-सीमा (डेडलाइन) तय की है। ठाणे पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया गया है कि वे सुनिश्चित करें कि तय अवधि के भीतर मामले की पूरी रिपोर्ट पेश की जाए।

### पुलिस की भूमिका पर उठे सवाल

मृतक की पत्नी विद्या पाटिल ने शुरुआत से ही स्थानीय शिवाजीनगर पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाए थे। उनका दावा था कि पुलिस के पास पुख्ता सबूत होने के बावजूद आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया। परिवार का आरोप है कि मामले को रफा-दफा करने और रसूखदार आरोपियों को बचाने के लिए जांच में जानबूझकर देरी की गई।

### महिला आयोग से लगाई थी गुहार

जांच में हो रही देरी और मुख्य आरोपियों के खुलेआम घूमने से पीड़ित परिवार डरा हुआ था। विद्या पाटिल ने महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग से भी अपनी जान की सुरक्षा की गुहार लगाई थी। उन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए इसे सीबीआई (CBI) को सौंपने की मांग की थी। अब एसआईटी के गठन से परिवार को उम्मीद है कि असली मास्टरमाइंड कानून के शिकंजे में होगा। इस मामले पर उल्हासनगर परिमंडल-4 के पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने जानकारी दी कि संजय पाटिल हत्याकांड में अब तक दो आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। उन्होंने पुष्टि की कि हाई कोर्ट के आदेश के बाद अब आगे की पूरी जांच नियुक्त किए गए आईपीएस अधिकारी की देखरेख में शुरू कर दी गई है।

# 8 साल से बंधुआ मजदूरी का खुलासा

## बंधुआ मज़दूर मुक्त, मालिक पर एससी-एसटी एक्ट समेत गंभीर धाराएं

### कार्यकर्ताओं पर फर्जी मुकदमे का आरोप

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी तालुका से बंधुआ मजदूरी (वेठबिगारी) का एक गंभीर और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक ईंट-भट्ठे पर पिछले आठ वर्षों से अमानवीय हालात में काम कराने जा रहे कातकरी आदिम जनजाति के युवक दिनेश सुरेश भोईर को सामाजिक संगठन भूमिपुत्र एल्गार संघटना के कार्यकर्ताओं ने मुक्त कराया है। इस मामले में गणेशपुरी पुलिस ने ईंट-भट्ठा मालिक कल्पेश सूर्यकांत पाटील के खिलाफ बंधुआ मजदूरी उन्मूलन अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 और अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है।

### संगठन की पहल, पुलिस ने की कार्रवाई

मामले की जानकारी मिलते ही भूमिपुत्र एल्गार संघटना के सरचिटणीस नवनाथ भोये और कातकरी युवा कार्यकर्ता मृणाली पवार ने पीड़ित की मदद करते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कॉल रिकॉर्डिंग और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच के बाद मामला दर्ज किया। FIR नंबर 0010/2026 के अनुसार आरोपी पर: BNS 2023: धारा 115(2), 352, 351(2) SC-ST अत्याचार निवारण अधिनियम: धारा 3(2)(va), 3(1)(r), 3(1)(s) बंधुआ मजदूरी उन्मूलन अधिनियम, 1976: धारा 16, 17, 18 लगाई गई हैं।

### राजनीतिक संरक्षण के आरोप, जांच जारी

स्थानीय कातकरी समाज ने आरोप लगाया है कि आरोपी एक बड़े संगठन का पदाधिकारी होने के कारण उसे राजनीतिक संरक्षण मिल रहा है। भूमिपुत्र एल्गार संघटना के अध्यक्ष प्रमोद पवार ने कार्यकर्ताओं से संयम बनाए रखने की अपील करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से कानून के दुरुपयोग को रोकने और पीड़ित को न्याय दिलाने की मांग की है।

### 75 हजार के 'बयाने' में आठ साल की गुलामी

पीड़ित दिनेश भोईर को महज़ 75 हजार रुपए की अग्रिम राशि (बयाना) के बदले ईंट-भट्ठे पर काम के लिए मजबूर किया गया था। आरोप है कि इस दौरान उसका लगातार शारीरिक, मानसिक और आर्थिक शोषण किया गया। मारपीट, धमकी और पत्नी को बार-बार फोन कर बुलाने जैसे दबावों के चलते वह आत्महत्या के कगार तक पहुंच गया था।

### आरोपी फरार, दबाव और धमकियों का आरोप

गुनाह दर्ज होने के बाद से आरोपी कल्पेश पाटील फरार बताया जा रहा है। पीड़ित मजदूर को धमकाने, लालच देने और झूठे दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराने की कोशिशें होने का भी आरोप सामने आया है। इस संबंध में एक अलग शिकायत भी पुलिस में दर्ज की गई है।

### कार्यकर्ताओं पर 'झूठे केस' का आरोप

इस बीच, बंधुआ मजदूर को मुक्त कराने में अहम भूमिका निभाने वाले प्रमोद पवार और सुनील लोणे पर फर्जी अत्याचार और बदनामी का मामला दर्ज कराए जाने का आरोप लगाया गया है। संगठन का कहना है कि यह कार्रवाई आरोपी मालिक को बचाने और संगठन के बढ़ते काम को रोकने की साजिश है। संगठन ने स्पष्ट किया कि जिस लेख के आधार पर शिकायत कराई गई, उसमें किसी महिला का नाम, गाली-गलौज या अपमानजनक भाषा नहीं है, बल्कि वह आदिवासी मजदूरों के अधिकार और संरक्षण से जुड़ा लेख है।

# विधायक नरेंद्र मेहता ने प्रताप सरनाईक पर निशाना साधा

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मीरा-भाईंदर मनपा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत के बाद विधायक नरेंद्र मेहता ने भाजपा जिला कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। इस दौरान उन्होंने पार्टी के हालिया विकास और स्थानीय मुद्दों पर मंत्री से सीधे सवाल उठाए। विधायक मेहता ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नवीन की नियुक्ति पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि नितिन नवीन का विशाल राजनीतिक अनुभव, कार्यक्षमता और युवाओं के प्रति दृष्टिकोण पार्टी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। उनके नेतृत्व में संगठन न केवल सशक्त होगा, बल्कि आगामी चुनावों में जीत के नए कीर्तिमान भी स्थापित करेगा।

### तीन प्रमुख सवाल मंत्री के लिए

मेहता ने सड़क चौड़ीकरण, पॉड टैक्सी परियोजना और 300 बिस्तरों वाले अस्पताल के निर्माण कार्यों पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि ठाणे में फाउंटन होटल से कासल रोड तक सड़क चौड़ीकरण कब शुरू होगा, दिवाली से पहले घोषित पॉड टैक्सी परियोजना अब तक क्यों धरातल पर नहीं उतरी और 2022 में भूमिपूजन किए गए 300 बिस्तरों वाले अस्पताल का निर्माण तीन साल बाद भी क्यों नहीं शुरू हुआ।

### विकास कार्यों पर मंत्री को खुली चुनौती

नरेंद्र मेहता ने क्षेत्र में ठप पड़े विकास कार्यों को लेकर प्रताप सरनाईक पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि बड़े-बड़े वादे करने से पहले मंत्री को जनता के सामने तीन महत्वपूर्ण सवालों का जवाब देना चाहिए।

मालेगांव मनपा

# कांग्रेस के दांव से एमआईएम-भाजपा पस्त

- इस्लाम पार्टी को मिला कांग्रेस और सपा का समर्थन

डीबीडी संवाददाता । मालेगांव

महाराष्ट्र के मालेगांव महानगरपालिका (MMC) के सत्ता समीकरणों में एक बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ आया है। पूर्व विधायक आसिफ शेख के नेतृत्व वाली 'इस्लाम पार्टी' ने न केवल कांग्रेस के दशकों पुराने वर्चस्व को समाप्त किया है, बल्कि अब कांग्रेस के ही समर्थन से मेयर की कुर्सी तक पहुँचने का गणित भी सुलझा लिया है। इस गठबंधन ने भारतीय जनता पार्टी और असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी AIMIM के लिए सत्ता के दरवाजे लगभग बंद कर दिए हैं। मालेगांव की 84 सीटों वाली महानगरपालिका में स्पष्ट बहुमत के लिए 43 सीटों की आवश्यकता है। चुनाव परिणामों के बाद 'इस्लाम पार्टी' 35 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, इस्लाम पार्टी ने अपने सहयोगी समाजवादी पार्टी (SP) की 5 सीटों और अब कांग्रेस की 3 सीटों का समर्थन हासिल कर लिया है। इस तरह कुल संख्या 43 हो गई है, जिससे बहुमत का आंकड़ा पूरा हो गया है।

### कांग्रेस का रणनीतिक 'त्याग'

हैरानी की बात यह है कि मालेगांव में कभी सबसे बड़ी ताकत रही कांग्रेस इस बार मात्र 3 सीटों पर सिमट गई। हालांकि, पार्टी ने अपनी हार को रणनीतिक अवसर में बदलते हुए 'इस्लाम पार्टी' को समर्थन देने की घोषणा कर दी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस का यह कदम AIMIM और भाजपा को सत्ता से दूर रखने की एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है, जिससे मालेगांव की राजनीति में कांग्रेस अपनी प्रासंगिकता बचाए रख सके।

### AIMIM को लगा जोरदार झटका

पिछले चुनाव के मुकाबले अपनी सीटों में भारी बढ़ोतरी (7 से 21) करने के बावजूद, AIMIM सत्ता की दौड़ में पिछड़ती नजर आ रही है। चर्चा थी कि मेयर पद के लिए शिंदे सेना और एमआईएम के बीच कोई गुप्त समझौता हो सकता है, लेकिन एमआईएम नेता इम्तियाज जलील ने स्पष्ट किया कि उन्होंने भाजपा के साथ गठबंधन वाली शिंदे सेना का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। कांग्रेस और सपा के इस्लाम पार्टी के साथ जाने से अब एमआईएम के पास विपक्ष में बैठने के अलावा कम ही विकल्प बचे हैं।

# ट्रैफिक का गुजराती नोटिस देख भड़का विपक्ष

डीबीडी संवाददाता । पालघर

महाराष्ट्र के पालघर जिले में ट्रैफिक डायवर्जन के लिए जारी की गई एक 'गुजराती' अधिसूचना ने राज्य की राजनीति में नया बवंडर खड़ा कर दिया है। मराठी अस्मिता के मुद्दे पर शिवसेना (UBT) और कांग्रेस ने सरकार को घेरते हुए इसे महाराष्ट्र का अपमान बताया है। वहीं, प्रशासन ने सफाई देते हुए इसे केवल बाहरी ड्राइवरों की सुविधा के लिए लिया गया एक व्यावहारिक फैसला करार दिया है।

### कैसे शुरू हुआ विवाद?

पूरा विवाद पालघर जिला प्रशासन द्वारा 19 और 20 जनवरी के लिए जारी एक आदेश से शुरू हुआ। दरअसल, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (CPIM) के एक बड़े मोर्चे को देखते हुए यातायात प्रतिबंध लागू किए गए थे। प्रशासन ने इस आदेश की एक प्रति गुजराती भाषा में अनुवाद कर गुजरात सीमा से सटे 'अचाद' जैसे इलाकों में लगा दी। जैसे ही यह गुजराती नोटिस सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। शिवसेना (UBT) के सांसद संजय राउत ने इस मुद्दे पर सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने तीखा सवाल दागते हुए पूछा, 'क्या पालघर अभी भी महाराष्ट्र का हिस्सा है या इसे गुजरात को सौंप दिया गया है?' राउत ने इसे बुलेट ट्रेन और वधावन बंदरगाह जैसी बड़ी परियोजनाओं से जोड़ते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री जानबूझकर महाराष्ट्र की पहचान मिटाने की कोशिश कर रहे हैं।

# केडीएमसी में 'ऑपरेशन लोटस'

## ठाकरे गुट ने संभावित बागियों पर कसा शिकंजा, परिजनों को थमाया नोटिस

डीबीडी संवाददाता । डोंबिवली

महाराष्ट्र की राजनीति में 'पार्टी और प्रतीक' की असली जंग अब ठाणे जिले की स्थानीय निकायों में उतर आई है। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (KDMC) में सत्ता के समीकरणों को सुरक्षित रखने के लिए उद्धव ठाकरे की शिवसेना (UBT) ने आक्रामक रुख अपना लिया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गृहक्षेत्र में अपनी पैठ बचाने के लिए ठाकरे गुट ने उन पार्षदों के खिलाफ 'कानूनी और मनोवैज्ञानिक' घेराबंदी शुरू कर दी है, जिनके शिंदे गुट में शामिल होने की अटकलें तेज थीं। कल्याण-डोंबिवली की स्थानीय राजनीति में उस समय हड़कंप मच गया जब सूत्रों के हवाले से यह खबर फैली कि ठाकरे गुट के दो निर्वाचित नगरसेवक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के संपर्क में हैं। इन अफवाहों के बीच पार्टी की साख बचाने के लिए ठाकरे गुट के जिला प्रमुख शरद पाटिल ने कमान संभाली और किसी भी संभावित सेंधमारी को रोकने के लिए सीधे पार्षदों के आवास पर दस्तक देना शुरू कर दिया।

पार्टी ने किसी भी संभावित फूट को रोकने के लिए एक अनूठी रणनीति अपनाई है। इसी क्रम में पार्षद मधुर म्हात्रे के पिता और पार्षद कीर्ति ढोने की बहन को औपचारिक नोटिस थमाया गया है। जानकारों का मानना है कि सीधे पार्षदों के बजाय उनके परिवार के सदस्यों को नोटिस देना एक मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने का तरीका है, ताकि सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर पार्षदों को पाला बदलने से रोका जा सके।

### बैठकों से दूरी पड़ेगी महंगी

ठाकरे गुट द्वारा जारी इस नोटिस में आगामी पार्टी मीटिंग का हवाला दिया गया है। जिला प्रमुख शरद पाटिल ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पार्टी ग्रुप के गठन और रणनीतिक चर्चा के लिए बुलाई गई बैठकों में इन पार्षदों की उपस्थिति अनिवार्य है। नोटिस में साफ चेतावनी दी गई है कि यदि पार्षद इन महत्वपूर्ण बैठकों से नदारद रहते हैं, तो इसे 'पार्टी विरोधी गतिविधि' माना जाएगा और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। पार्टी नेतृत्व ने स्पष्ट कर दिया है कि पार्षदों की अनुपस्थिति को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह नोटिस एक तरह से 'अनौपचारिक व्हिप' की तरह काम कर रहा है। पार्टी चाहती है कि नगरसेवक लिखित या मौखिक रूप से अपनी वफादारी स्पष्ट करें। शिंदे गुट की बढ़ती सक्रियता को देखते हुए ठाकरे कैंप ने अपने बचे हुए पार्षदों को एकजुट रखने के लिए सांगठनिक घेराबंदी कड़ी कर दी है। वर्तमान में कल्याण-डोंबिवली मनपा की राजनीति उस मोड़ पर है जहाँ हर एक पार्षद का समर्थन 'किंगमेकर' साबित हो सकता है। सत्ता हथियाने की इस दौड़ में दोनों ही गुटों के लिए एक-एक सीट का महत्व बढ़ गया है। यदि ठाकरे गुट के पार्षद टूटते हैं, तो यह न केवल संख्याबल बल्कि मनोवैज्ञानिक रूप से भी उद्धव ठाकरे के लिए एक बड़ा झटका होगा।

# बकाया पानी बिल न भरने पर कटेंगे नल कनेक्शन

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे महानगर पालिका (TMC) ने जल कर (वॉटर टैक्स) की वसूली के लिए कड़ा रुख अपना लिया है। मनपा प्रशासन ने बकाया बिलों के भुगतान के लिए एक व्यापक अभियान शुरू किया है, जिसके तहत लापरवाही बरतने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिन लोगों ने लंबे समय से बिल नहीं भरा है, उनके पानी के कनेक्शन काटने और मीटर रूम सील करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एक तरफ जहाँ निगम सख्ती बरत रहा है, वहीं दूसरी ओर नागरिकों को बड़ी राहत भी दी गई है।

ठाणे महानगर पालिका क्षेत्र के घरेलू जलापूर्ति परियोजनाओं के लिए 'अभय योजना' जैसी छूट की घोषणा की गई है। यदि उपभोक्ता अपने बकाया बिल का भुगतान इस वर्ष की चालू मांग (Current Demand) के साथ एकमुश्त (Lumpsum) जमा करते हैं, तो उन्हें प्रशासनिक शुल्क यानी जुर्माने और ब्याज में 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। नगर निगम के जल आपूर्ति विभाग ने शहरवासियों से भावुक और औपचारिक अपील की है। विभाग का कहना है कि बकाया बिलों पर 100% ब्याज माफी एक बड़ा अवसर है। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई का सामना करने के बजाय इस योजना का लाभ उठाकर अपने खातों को नियमित करवा लें।

मनपा प्रशासन ने उन खाताधारकों की सूची तैयार कर ली है जो बार-बार नोटिस के बावजूद भुगतान नहीं कर रहे हैं। ऐसे संपदा धारकों के खिलाफ 'सीज़' (Seize) करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इस कार्रवाई के तहत न केवल नल कनेक्शन काटे जाएंगे, बल्कि संबंधित बिल्डिंग के मीटर रूम को सील किया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर पानी के पंप भी ज़ब्त कर लिए जाएंगे।

### मीटर रूम होंगे सील

### राजस्व बढ़ाने के लिए कड़ा रुख

ठाणे मनपा का यह कदम वित्तीय वर्ष के अंत से पहले राजस्व लक्ष्यों को पूरा करने के उद्देश्य से उठाया गया है। निगम का मानना है कि बुनियादी ढांचे के रखरखाव और निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए समय पर करों का भुगतान अनिवार्य है। बकाया राशि करोड़ों में होने के कारण प्रशासन अब किसी भी तरह की ढील देने के मूड में नहीं है।

### मीटर रूम और पंप रूम पर होगी पैनी नजर

निगम के प्रवर्तन दस्ते ने विभिन्न वार्डों में निरीक्षण शुरू कर दिया है। अभियान के पहले चरण में बड़े बकायेदारों और व्यावसायिक संपत्तियों को निशाना बनाया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि मीटर रूम सील होने के बाद बिना अनुमति उसे खोलना कानूनी अपराध माना जाएगा और संबंधित व्यक्ति पर प्राथमिकी (FIR) भी दर्ज की जा सकती है।

### सोसायटियों को सामूहिक नोटिस जारी

कई हाउसिंग सोसायटियों में सामूहिक रूप से पानी का बिल बकाया होने के कारण, निगम ने सोसायटियों के पदाधिकारियों को भी अंतिम चेतावनी दी है। यदि पूरी सोसाइटी का बिल लंबित पाया जाता है, तो पूरी बिल्डिंग की मुख्य लाइन काटने की चेतावनी दी गई है, जिससे सैकड़ों निवासी प्रभावित हो सकते हैं।

### ऑनलाइन और ऑफलाइन भुगतान की सुविधा

नागरिकों की सुविधा के लिए ठाणे महानगर पालिका ने भुगतान की प्रक्रिया को सरल बनाया है। बकाया राशि का भुगतान विभिन्न वार्ड कार्यालयों के काउंटरों पर ऑफलाइन माध्यम से किया जा सकता है। इसके साथ ही, टीएमसी के आधिकारिक पोर्टल के जरिए ऑनलाइन भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध है, ताकि लोग घर बैठे ब्याज माफी का लाभ उठा सकें।

# अल्पसंख्यक कल्याण जिला कमेटियों का पुनर्गठन

## अब 'निवासी उपजिलाधिकारी' होंगे अध्यक्ष

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में अल्पसंख्यक समुदाय के सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक उत्थान की गति को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने जिला स्तर की अल्पसंख्यक कल्याण कमेटियों के ढांचे में बदलाव करते हुए उनका पुनर्गठन किया है। इस नए बदलाव के तहत अब जिला स्तर पर 'निवासी उपजिलाधिकारी' (RDC) को इस कमेटी की कमान सौंपी गई है और वे ही इसके अध्यक्ष होंगे।

## 15 सूत्रीय कार्यक्रम को प्रभावी बनाने की पहल

सरकार का यह निर्णय केंद्र सरकार के 'प्रधानमंत्री के नए 15 सूत्रीय कार्यक्रम' को राज्य में अधिक प्रभावी और जमीनी स्तर पर लागू करने के उद्देश्य से लिया गया है। अल्पसंख्यक विकास विभाग द्वारा जारी शासनादेश (GR) के अनुसार, इस पुनर्गठन से योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और तेजी आने की उम्मीद है।

### प्रशासनिक तालमेल के लिए बदलाव

गौरतलब है कि पहले इन कमेटियों की अध्यक्षता जिलाधिकारी या उपायुक्त स्तर के अधिकारी करते थे। हालांकि, राजस्व परिषद के निर्देशों और छत्रपति संभाजीनगर विभागीय आयुक्त की अध्ययन समिति की सिफारिशों के बाद यह महसूस किया गया कि काम में बेहतर तालमेल और त्वरित निर्णय लेने के लिए प्रशासनिक ढांचे में बदलाव जरूरी है। इसी के आधार पर अब निवासी उपजिलाधिकारी को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है।

### कमेटी का नया स्वरूप और सदस्य

पुनर्गठित कमेटी का स्वरूप अब काफी व्यापक होगा। इसमें स्थानीय सांसदों, राज्यसभा सदस्यों और विधायकों को शामिल किया गया है ताकि राजनीतिक और सामाजिक समन्वय बना रहे। इसके अलावा, गैर-सरकारी संगठनों (NGO) के प्रतिनिधियों और संबंधित विभागों के अधिकारियों को भी सदस्य के रूप में जगह दी गई है, जिससे विकास कार्यों में जन-भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

### सचिव के रूप में संभालेंगे जिम्मेदारी

नई व्यवस्था के तहत जिला नियोजन अधिकारी और जिला अल्पसंख्यक अधिकारी इस कमेटी के 'सदस्य सचिव' के रूप में कार्य करेंगे। यह टीम न केवल योजनाओं की निगरानी करेगी, बल्कि फंड के सही आवंटन और समय सीमा के भीतर कार्यों को पूरा करने के लिए भी जिम्मेदार होगी। इस बदलाव का मुख्य लक्ष्य अल्पसंख्यकों के लिए चलाई जा रही सरकारी योजनाओं की राह में आने वाली बाधाओं को दूर करना है।

### महाराष्ट्र: अल्पसंख्यक कल्याण समितियों का कायाकल्प

**नया नेतृत्व: निवासी उपजिलाधिकारी (RDC) अध्यक्ष नियुक्त**
प्रशासनिक कार्यों में बेहतर समन्वय और त्वरित निर्णय लेने के लिए यह बदलाव किया गया है।

**लक्ष्य: 15-सूत्रीय कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन**
केंद्र सरकार के 'प्रधानमंत्री के नए 15 सूत्रीय कार्यक्रम' को जमीनी स्तर पर मजबूती से लागू करना।

**समावेशी टीम: सांसद, विधायक और NGO शामिल**
विकास कार्यों में जन-भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संस्थाओं को जोड़ा गया है।

**सीधा लाभ: योजनाओं की बाधाएं होंगी दूर**
शिक्षा और आर्थिक विकास से जुड़ी सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र लाभार्थियों तक पहुँचाने पर जोर।

# बीएमसी बजट को मार्च तक टालने की मांग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

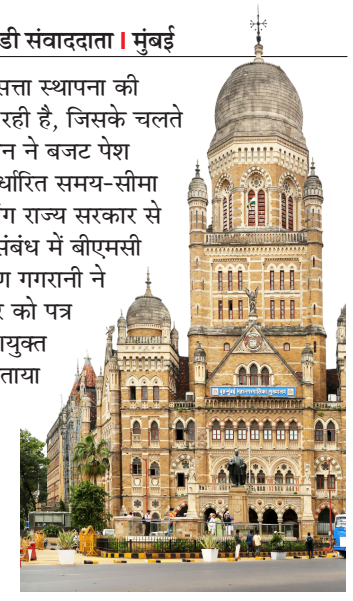

बीएमसी में सत्ता स्थापना की प्रक्रिया चल रही है, जिसके चलते मनपा प्रशासन ने बजट पेश करने की निर्धारित समय-सीमा बढ़ाने की मांग राज्य सरकार से की है। इस संबंध में बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी ने राज्य सरकार को पत्र लिखा है। आयुक्त गगरानी ने बताया कि बीएमसी ने बजट घोषणा के लिए 4 मार्च 2026 तक का समय बढ़ाने का अनुरोध किया है। महापौर के चयन के बाद ही विभिन्न वैधानिक समितियों के अध्यक्षों की नियुक्ति होती है, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण स्थायी समिति है, जो महानगरपालिका के वित्तीय मामलों की देखरेख करती है। मनपा अधिकारियों के अनुसार, बजट महापौर और स्थायी समिति अध्यक्ष को सौंपा जाता है, इसलिए जब तक समितियों का गठन और अध्यक्षों का चयन नहीं हो जाता, बजट प्रस्तुत करना व्यावहारिक नहीं है।

# महापौर पद पर 'उबाठा' का सपना चकनाचूर: नवनाथ बन

देवेंद्रनाथ जैस्वार । मुंबई

मुंबई में महापालिका चुनावों में भाजपा-महायुति की जीत के बाद भाजपा मीडिया प्रमुख नवनाथ बन ने संजय राऊत पर जमकर निशाना साधा। प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद में बन ने कहा कि विकास, सुशासन और पारदर्शिता के आधार पर मिले मतों के बावजूद राऊत अनावश्यक रूप से महापौर पद और नगरसेवकों की तोड़फोड़ पर संदेह का माहौल बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई का महापौर हिंदू और मराठी होगा और बांग्लादेशी घुसपैठियों व पाक समर्थन के सहारे महापौर बनाने का 'उबाठा' गुट का सपना अब धूल में मिल गया है।

### मुख्यमंत्री फडणवीस और भाजपा-महायुति के विकास कार्य

बन ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा-महायुति महाराष्ट्र और मुंबई के विकास की गाड़ी को आगे बढ़ा रही है। राऊत को यह आत्ममंथन करना चाहिए कि 25 वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद उबाठा गुट सबसे अधिक नगरसेवक क्यों नहीं चुन सका। उन्होंने दिल्ली में भाजपा-महायुति नेताओं की यात्रा को भी अनुचित आलोचना बताया और कहा कि इससे राज्य का अपमान नहीं होता।

### बालासाहेब ठाकरे पर विश्वासघात का आरोप

नवनाथ बन ने कहा कि वंदनीय बालासाहेब ठाकरे की विरासत और हिंदुत्व के खिलाफ राऊत द्वारा किए गए कृत्यों—जैसे अजान प्रतियोगिता और पत्राचाळ घोटाले—पर यदि बालासाहेब आज होते तो राऊत को कड़ी सजा मिलती। उन्होंने यह भी कहा कि बालासाहेब का नाम लेने का राऊत को कोई अधिकार नहीं है और मतदाताओं ने महापालिका चुनाव में विश्वासघात करने वालों को उनकी जगह दिखा दी है।

### दावोस यात्रा और विदेशी निवेश पर व्यंग्य

नवनाथ बन ने राऊत के महापौर पद पर चिंता जताने के बयान पर भी व्यंग्य किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की दावोस यात्रा का उद्देश्य राज्य में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ाना है। यदि विदेशी निवेश आ रहा है, तो राऊत को पेट दर्द क्यों हो रहा है, यह सवाल भी उन्होंने उठाया, साथ ही भाजपा की विकास और नीति पर जनादेश के माध्यम से मिली जीत को राऊत की आलोचना से अलग रखा।

# बिहार भवन का विरोध करने वाले राज ठाकरे की भूमिका असंवैधानिक: आठवले

**मुंबई।** केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्यमंत्री रामदास आठवले ने मुंबई में बिहार भवन और झारखंड भवन के निर्माण का विरोध करने पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि मुंबई न सिर्फ महाराष्ट्र की राजधानी है, बल्कि देश की आर्थिक राजधानी भी है। ऐसे में अन्य राज्यों के भवनों के निर्माण का विरोध करना असंवैधानिक है। आठवले ने कहा कि राज ठाकरे की इस मुद्दे पर भूमिका संविधान-विरोधी है, जिसकी वे कड़ी निंदा करते हैं।आठवले ने कहा कि भारतीय संविधान सभी नागरिकों को देश में कहीं भी रहने और व्यापार करने का अधिकार देता है। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने सभी को भोजन, कपड़ा और मकान का अधिकार दिया है और समानता की गारंटी दी है। ऐसे में मुंबई में बिहार भवन और झारखंड भवन के निर्माण का विरोध करना गलत है। उन्होंने चेतावनी दी कि आरपीआई बिहार या झारखंड भवन के निर्माण का विरोध करने वाले किसी भी व्यक्ति या संगठन का विरोध करेगी। आठवले ने मराठी बोलने के नाम पर हिंसा या मजदूरों के खिलाफ नफरत फैलाने को भी अनुचित बताया।

### 'भाईचारे को तोड़ने की कोशिश गलत'

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र और मुंबई ने हमेशा बाहर से आने वाले लोगों को अपनाया है। मुंबई देश की आर्थिक राजधानी के रूप में सभी को रोजगार देती है और भाईचारे की मिसाल पेश करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज ठाकरे इस भाईचारे को तोड़ने की भूमिका निभा रहे हैं, जो गलत है। आठवले ने कहा कि जो लोग संविधान को नहीं मानते, उन्हें इस देश में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

# कर्नाटक की तर्ज पर बैलेट पेपर पर जिला परिषद चुनाव कराने की मांग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

कर्नाटक में निकाय चुनाव ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से कराने के फैसले के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में भी इसकी गूंज सुनाई देने लगी है। हाल ही में मनपा चुनावों के नतीजे आने के बाद राज्य में यह मांग तेज हो गई है कि जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव भी बैलेट पेपर से कराए जाएं। कांग्रेस नेता नाना पटोले और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की एनसीपी के विधायक अमोल मिटकरी ने इस संबंध में सार्वजनिक रूप से मांग उठाई है।

कर्नाटक सरकार ने मतदाताओं के भरोसे और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए निकाय चुनाव बैलेट पेपर पर कराने का निर्णय लिया है। इसी को आधार बनाते हुए महाराष्ट्र के राजनीतिक हलकों में यह चर्चा शुरू हो गई है कि खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में बैलेट पेपर का इस्तेमाल अधिक उपयुक्त होगा। नेताओं का मानना है कि इससे आम मतदाताओं का विश्वास मजबूत होगा।

### ईवीएम की विश्वसनीयता पर फिर सवाल

मनपा चुनावों के नतीजों के बाद एक बार फिर विपक्षी दलों ने ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए हैं। विपक्ष का कहना है कि वोटरों का भरोसा बनाए रखने के लिए बैलेट पेपर का विकल्प अपनाया जाना चाहिए। कर्नाटक में पहले ही कुछ निकाय चुनाव बैलेट पेपर से कराए जा चुके हैं और अब उसी मॉडल को महाराष्ट्र में लागू करने की मांग जोर पकड़ रही है। ऐसे में राज्य सरकार और राज्य चुनाव आयोग का रुख क्या होगा, इस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

# बीजेपी की टोली ने अभियान चलाकर मुझे हराया : सरवणकर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई महानगरपालिका चुनाव में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के पराजित उम्मीदवार समाधान सरवणकर ने महायुति की प्रमुख सहयोगी पार्टी भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रभाग क्रमांक 194 से चुनाव लड़ने वाले समाधान सरवणकर ने दावा किया कि भाजपा की एक विशेष टोली ने जानबूझकर उनके खिलाफ काम किया, जिसके चलते उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि मतदाता उनके साथ थे, लेकिन भाजपा के विरोधी प्रचार ने चुनाव परिणाम को प्रभावित किया।

### विधायकों और पदाधिकारियों पर निशाना

समाधान सरवणकर के अनुसार, उनके प्रभाग में चार से पांच विधायक उनके खिलाफ प्रचार कर रहे थे, जबकि दो प्रमुख नेताओं के बच्चे भी क्षेत्र में सक्रिय थे। उन्होंने आरोप लगाया कि माहीम विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के एक पदाधिकारी ने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए थे कि वे उनकी किसी भी तरह से मदद न करें। समाधान ने कहा कि वे लगातार निशाने पर रहे, इसके बावजूद मतदाताओं का समर्थन उन्हें मिला।

### व्हाट्सएप संदेशों से निर्देश देने का आरोप

समाधान सरवणकर ने आरोप लगाया कि व्हाट्सएप के जरिए कार्यकर्ताओं को स्पष्ट संदेश दिए गए थे कि वे उनके पक्ष में काम न करें। संदेशों में यह भी पूछा जा रहा था कि कार्यकर्ताओं को कोई लाभ मिला है या नहीं। उन्होंने दावा किया कि इसी वजह से माहीम क्षेत्र में कोई भी उनकी मदद के लिए आगे नहीं आया।

### लोकसभा-विधानसभा चुनावों में भी साजिश का दावा

समाधान सरवणकर ने दावा किया कि यही टोली लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भी महायुति उम्मीदवारों को हराने के लिए सक्रिय थी। उन्होंने कहा कि इसी कारण विधानसभा चुनाव में ठाकरे गुट के महेश सावंत ने सदा सरवणकर को हराया था और अब मनपा चुनाव में ठाकरे गुट के निशिकांत शिंदे ने उन्हें पराजित किया। समाधान ने कहा कि पूरे मामले को लेकर वे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात करेंगे और भाजपा के एक व्यक्ति द्वारा आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल की भी शिकायत रखेंगे।


## पश्चिम रेलवे की
### मुंबईकरों के लिए बड़ी सौगात!

12 नई एसी लोकल सेवाएँ दिनांक 26.01.2026 से प्रारंभ

अप दिशा (UP)

| कहां से | कहां तक | प्रस्थान | आगमन | प्रकार |
|---|---|---|---|---|
| गोरेगांव | चर्चगेट | 05:14 | 06:11 | स्लो |
| बोरीवली | चर्चगेट | 07:25 | 08:20 | फास्ट |
| विरार | चर्चगेट | 10:08 | 11:27 | फास्ट |
| भायंदर | चर्चगेट | 12:44 | 13:48 | फास्ट |
| विरार | चर्चगेट | 15:45 | 17:09 | स्लो |
| गोरेगांव | चर्चगेट | 19:06 | 20:01 | स्लो |

डाउन दिशा (DOWN)

| कहां से | कहां तक | प्रस्थान | आगमन | प्रकार |
|---|---|---|---|---|
| चर्चगेट | बोरीवली | 06:14 | 07:19 | स्लो |
| चर्चगेट | विरार | 08:27 | 09:51 | फास्ट |
| चर्चगेट | भायंदर | 11:30 | 12:31 | फास्ट |
| चर्चगेट | विरार | 13:52 | 15:36 | स्लो |
| चर्चगेट | गोरेगांव | 17:57 | 18:51 | स्लो |
| चर्चगेट | गोरेगांव | 20:07 | 21:02 | स्लो |

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly | हमें फालो करें: X.com/WesternRly


नाबालिग से दुराचार मामला

# हाईकोर्ट ने आरोपी की जमानत खारिज की

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने 13 साल की नाबालिग से दुराचार के मामले में आरोपी रमेश दादा कालेल को आजीवन कारावास की सजा से बरी करने से इंकार कर दिया। अदालत ने कहा कि आपराधिक न्याय प्रणाली में पीड़ित के अधिकारों को नजरअंदाज करके सिर्फ आरोपी के अधिकारों पर जोर देना गलत है। न्यायमूर्ति मनीष पितले और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की पीठ ने स्पष्ट किया कि आरोपी और पीड़ित के अधिकारों में संतुलन होना चाहिए, ताकि न्याय सही तरीके से सुनिश्चित किया जा सके।

### पीड़िता के सबूतों को माना विश्वसनीय

पीठ ने रमेश कालेल की दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि पीड़िता के सबूत विश्वसनीय थे और उन्हें उसकी मां, स्कूल की हेडमास्टर और मेडिकल रिकॉर्ड द्वारा भी पुष्टि मिली। अदालत ने यह भी कहा कि पीड़िता की उम्र (13 वर्ष) को देखते हुए किसी भी तरह की सहमति का सवाल ही नहीं उठता।

### पाक्सो एक्ट के तहत सुनवाई

यह मामला प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेस (पाक्सो) एक्ट 2012 के तहत दर्ज किया गया था। अगस्त 2023 में पनवेल के अतिरिक्त संयुक्त जिला और सत्र न्यायाधीश ने कालेल को नाबालिग से दुराचार का दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने उसकी याचिका खारिज करते हुए नाबालिग पीड़िता के अधिकारों की रक्षा की पुष्टि की।


**मध्य रेल**
सोलापुर डिवीजन
यांत्रिक कार्य

निविदा सूचना क्रमांकः— GEM/2026/B/7117378 dated-19.01.2026 मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक), मध्य रेल, सोलापुर के व्दारा भारत के राष्ट्रपति की ओरसे निम्नलिखीत कार्य के लिए ख्यातीप्राप्त प्रतिष्ठानों/ठेकेदारों से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। 1. कार्य का नाम स्थान सहितः— सोलापुर डिवीजन की प्राथमिक रूप से रखरखाव वाली ट्रेनों में ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस (ओबीएचएस) का संविदा कार्य जीईएम के माध्यम से 28 महीने की अवधि के लिए मानव संसाधन के आधार पर। 2. निविदा कार्य पध्दतीः— दो पॅकेट सिस्टम, 3. कार्य की औसत लागतः— रु 9,08,47,596.19/—, 4. निविदा प्रपत्र मुल्यः— Nil, 5. कार्यालय का पता, जहां से निविदा प्रपत्र खरीदे जा सकते है।:— मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक), मध्य रेल, सोलापुर, 6. जमा करने योग्य बयाना रकमः— Rs. 6,04,240/—, 7. कार्य का समापन अवधिः— अड्ताईस महीने कार्य की प्रारंभ की तिथी से, 8. निविदा प्रपत्र जमा करने की तिथी एवं समयः— 11.02.2026 at 11.00 hrs., 9. निविदा बक्सा खुलने की तिथी एवं समयः— 11.02.2026 at 11.30 hrs., 10. वेबसाईट विवरण एवं सूचना बोर्ड लोकेशन जहां से निविदा के संपुर्ण विवरण देखे जा सकते है।:— WWW.GeM.gov.in

26 वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे



**बृहन्मुंबई महानगरपालिका**

मुख्य अभियंता (सीवेज ऑपरेशन्स) विभाग
उप मुख्य अभियंता (सीवेज ऑपरेशन्स) (परिवहन)
कार्यकारी अभियंता, परिवहन, WSSD
क्रमांक : EE.Tr./6860/WSSD दिनांक : 20.01.2026

ई-निविदा सूचना

| | | |
|---|---|---|
| 1 | कार्य का विषय | कार्यकारी अभियंता, परिवहन, WSSD के अंतर्गत पवई गैरेज के विभिन्न स्थानों पर वेदर शेड्स (Weather Sheds) प्रदान करने एवं लगाने का कार्य। (बिड क्रमांक : 2026_MCGM_1270195) |
| | निविदा प्रारंभ दिनांक एवं समय | 21/01/2026 को प्रातः 11:00 बजे से |
| | निविदा समाप्ति दिनांक एवं समय | 29/01/2026 को सायं 16:00 बजे तक |
| | पता एवं संपर्क विवरण | कार्यकारी अभियंता, परिवहन (W.S.S.D.) सीवेज ऑपरेशन भवन, द्वितीय मंज़िल, दादर पंपिंग स्टेशन परिसर, 249, सेनापति बापट मार्ग, दादर (पश्चिम), मुंबई – 400028 |

अधिक जानकारी हेतु कृपया वेबसाइट देखें: https://portal.mcgm.gov.in

हस्ता/-
पीआरओ/2712/विज्ञा./2025-26 कार्यकारी अभियंता (परिवहन), W.S.S.D.

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

# पर्यावरण संरक्षण : नीयत बनाम हकीकत

भारत में हाल ही में लागू और प्रस्तावित नए पर्यावरण नियमों को सरकार एक बड़े सुधार के रूप में प्रस्तुत कर रही है। इनमें शामिल हैं — पर्यावरण संरक्षण निधि, अपशिष्ट प्रबंधन में ईपीआर (Extended Producer Responsibility), एंड-ऑफ-लाइफ वाहन नियम, और सख्त पर्यावरण लेखा परीक्षा नियम। कागज़ पर ये सभी पहलें पर्यावरण के प्रति गंभीरता और जागरूकता का संकेत देती हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये नियम वास्तव में प्रकृति की रक्षा करेंगे, या फिर यह भी अन्य नीतियों की तरह नियत और नियति के अंतर का शिकार हो जाएंगे। सरकार का तर्क है कि प्रदूषण फैलाने वालों से वसूले गए जुर्माने को अब सीधे पर्यावरण सुधार में लगाया जाएगा। यह विचार स्वागतयोग्य है। अब तक जुर्माना सिर्फ दंड था, समाधान नहीं। यदि यह निधि पारदर्शिता के साथ प्रदूषित नदियों की सफाई, दूषित भूमि के उपचार और वायु गुणवत्ता सुधार में लगे, तो इसे एक ऐतिहासिक कदम कहा जा सकता है। यह कदम संकेत करता है कि अब भारत प्रदूषण को सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि सुधार की चुनौती मानने लगा है। मगर अनुभव बताता है कि भारत में निधियाँ बनती हैं, उद्देश्य तय होते हैं, और फिर पैसा कागज़ों में ही घूमता रहता है। इस पहल की सफलता इसी बात पर निर्भर करेगी कि निधि का उपयोग सही दिशा में और प्रभावी ढंग से हो। ईपीआर व्यवस्था के तहत धातु कचरे और वाहनों के पुनर्चक्रण की जिम्मेदारी कंपनियों पर डालना सैद्धांतिक रूप से सही है। "जो प्रदूषित करे, वही भुगतान करे" — यह सिद्धांत वर्षों से पर्यावरण नीति का आधार रहा है। अगर इसे ईमानदारी और अनुशासन के साथ लागू किया गया, तो यह भारत में संसाधनों के पुनर्चक्रण और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक नई क्रांति साबित हो सकता है। लेकिन व्यवहार में बड़ी कंपनियाँ नियमों से बचने के रास्ते खोज लेती हैं, जबकि छोटे उद्योग और उपभोक्ता दबाव में आ जाते हैं। यदि निगरानी कमजोर रही, तो यह नियम पर्यावरण सुधार की बजाय लाइसेंस-राज और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे सकता है। पर्यावरण लेखा परीक्षा को सख्त करने का दावा भी किया जा रहा है। यह स्वागतयोग्य है, क्योंकि भारत में समस्या नियमों की कमी नहीं, पालन की कमी है। मगर चिंता यह है कि क्या ये ऑडिट स्वतंत्र होंगे, या फिर वही पुरानी सरकारी खानापूर्ति बनकर रह जाएंगे? जब तक ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं होंगी और दोषियों पर वास्तविक कार्रवाई नहीं होगी, तब तक हर नया नियम सिर्फ एक सरकारी अधिसूचना भर रहेगा। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि एक ओर सरकार पर्यावरण संरक्षण की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर खनन, बुनियादी ढांचे और औद्योगिक परियोजनाओं के लिए पर्यावरण मंजूरी की प्रक्रिया को सरल और तेज किया जा रहा है। यह दोहरी नीति दर्शाती है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन की बात अभी भी नारे से आगे नहीं बढ़ पाई है। यदि हम विकास को पर्यावरण के ऊपर प्राथमिकता देंगे, तो आने वाली पीढ़ियों को उसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। सच यह है कि पर्यावरण नियम तभी प्रभावी होते हैं जब उनके पीछे राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक ईमानदारी और जन-दबाव हो। केवल कानून बना देने से न नदियाँ साफ होती हैं, न हवा शुद्ध होती है। यदि नए नियम सिर्फ उद्योगों को "एडजस्ट" करने की छूट देते रहे, तो यह वही पुरानी कहानी दोहराएंगे जहां चेतावनी मौजूद थी, पर सुधार अधूरा रह गया। पर्यावरण कोई वैकल्पिक विषय नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। नए नियम एक अवसर हैं 0 या तो सरकार इन्हें सख्ती, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ लागू करे, या फिर इतिहास में यह दर्ज हो जाएगा कि जब चेतावनी साफ थी, तब भी हमने सिर्फ फाइलें आगे बढ़ाईं, धरती नहीं बचाई। यह समय भारत के लिए संकल्प और कर्म का समय है, न कि केवल घोषणाओं और आंकड़ों का।

शख्सियत — एम. आर. एस. राव

## ज्ञान, विज्ञान और राष्ट्रसेवा का प्रेरक प्रतीक

**एम. आर. एस. राव भारतीय विज्ञान और अकादमिक जगत का एक ऐसा नाम है, जिसने शोध, शिक्षा और संस्थागत नेतृत्व के माध्यम से देश को बौद्धिक रूप से समृद्ध किया।**

एम. आर. एस. राव भारतीय विज्ञान और अकादमिक जगत का एक ऐसा नाम है, जिसने शोध, शिक्षा और संस्थागत नेतृत्व के माध्यम से देश को बौद्धिक रूप से समृद्ध किया। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर भी असाधारण उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं, बशर्ते लक्ष्य स्पष्ट हो और कर्म के प्रति निष्ठा हो। एम. आर. एस. राव का जीवन अध्ययन, अनुशासन और सतत सीखने की भावना से ओतप्रोत रहा। उन्होंने विज्ञान और गणित जैसे गहन विषयों को न केवल आत्मसात किया, बल्कि उन्हें समाज और राष्ट्र के हित में उपयोग करने का मार्ग भी प्रशस्त किया। एक शिक्षक और शोधकर्ता के रूप में उन्होंने पीढ़ियों को वैज्ञानिक दृष्टि, तर्कशील सोच और नवाचार की प्रेरणा दी। उनका मानना था कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को बेहतर बनाने का सशक्त औजार है। शोध के क्षेत्र में एम. आर. एस. राव ने उच्चस्तरीय योगदान दिया। उनके कार्यों ने भारतीय विज्ञान को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहे, बल्कि वैज्ञानिक संस्थानों को मजबूत बनाने, अनुसंधान संस्कृति को बढ़ावा देने और युवाओं को विज्ञान की ओर आकर्षित करने में भी सक्रिय रहे। संस्थागत नेतृत्व में उन्होंने पारदर्शिता, गुणवत्ता और अनुशासन को सर्वोपरि रखा। एम. आर. एस. राव का व्यक्तित्व विनम्रता और दृढ़ता का अनूठा संगम था। ऊंचे पदों पर रहते हुए भी उन्होंने सरल जीवन और उच्च विचार के सिद्धांत को अपनाए रखा। वे मानते थे कि सच्ची सफलता व्यक्तिगत उपलब्धियों से नहीं, बल्कि समाज के लिए किए गए योगदान से मापी जानी चाहिए। यही कारण है कि वे विद्यार्थियों, सहकर्मियों और शोधार्थियों के बीच अत्यंत सम्मानित रहे। उनके जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा यह रही कि कठिन परिस्थितियां भी यदि संकल्प मजबूत हो, तो सफलता की सीढ़ी बन सकती हैं। उन्होंने असफलताओं को कभी बाधा नहीं माना, बल्कि उन्हें सीखने का अवसर समझा। युवाओं के लिए उनका संदेश स्पष्ट था—परिश्रम, धैर्य और ईमानदारी के साथ किया गया कार्य कभी व्यर्थ नहीं जाता।

एम. आर. एस. राव का जीवन हमें यह सिखाता है कि राष्ट्रनिर्माण केवल राजनीति या प्रशासन से नहीं होता, बल्कि शिक्षा, विज्ञान और विचारों की शक्ति से भी होता है। उनका योगदान आज भी विद्यार्थियों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को प्रेरित करता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उज्ज्वल पथप्रदर्शक बना हुआ है। उनकी विरासत केवल पुस्तकों, शोधपत्रों या संस्थानों तक सीमित नहीं है, बल्कि उस विचारधारा में जीवित है जो उन्होंने समाज को दी। एम. आर. एस. राव ने हमेशा इस बात पर बल दिया कि ज्ञान तभी सार्थक होता है जब वह मानवीय मूल्यों से जुड़ा हो और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। उन्होंने शिक्षा को करुणा, जिम्मेदारी और राष्ट्र के प्रति दायित्व से जोड़कर देखा।

# विचारधारा का अंत और सत्ता की लालसा

**धीरज सिंह**
समाचार संपादक

महाराष्ट्र की राजनीति में हाल के वर्षों में जो हलचल देखी गई है, उसने भारतीय लोकतंत्र के समक्ष कई अनुलंघनीय प्रश्न खड़े कर दिए हैं। महानगर पालिका (नगर निकाय) चुनावों के बाद सत्ता स्थापित करने को लेकर मची 'सत्ता की भगदड़' ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक राजनीति में अब 'विचारधारा' और 'नैतिकता' जैसे शब्द शब्दकोशों तक ही सीमित रह गए हैं। महाराष्ट्र की राजनीति कभी अपनी प्रखर विचारधाराओं और वैचारिक मतभेदों के लिए जानी जाती थी। लेकिन हालिया नगर निकाय चुनावों के बाद जो दृश्य उभरा है, वह केवल 'कुर्सी के गणित' तक सिमट गया है। जब चुनाव परिणाम आते हैं और किसी भी एक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता, तो शुरू होता है 'जोड़-तोड़' का वह खेल जिसे राजनीति की भाषा में 'गठबंधन' और नैतिकता की नेताओं ने सत्ता को साध्य और मूल्यों को केवल साधन मान लिया है। सुबह एक दल की विचारधारा की कसमें खाने वाले नेता शाम तक विरोधी खेमे में केवल इसलिए नजर आते हैं क्योंकि वहां सत्ता की मलाई अधिक स्पष्ट दिखाई देती है। यह मूल्यों को पीछे छोड़ने की पराकाष्ठा है। जब नेता अपने लाभ के लिए दल बदलते हैं, तो वे केवल अपनी पार्टी नहीं बदलते, बल्कि उन हजारों मतदाताओं के भरोसे का कत्ल करते हैं जिन्होंने एक विशेष विचारधारा को देखकर उन्हें वोट दिया था। दलबदल का यह सिलसिला अब महाराष्ट्र में एक 'न्यू नॉर्मल' बन गया है। पहले यह राज्यों की राजधानियों तक सीमित था, लेकिन अब यह नगरपालिकाओं और पंचायतों के स्तर तक पहुंच चुका है। 'हॉर्स ट्रेडिंग' या पार्षदों की खरीद-फरोख्त की खबरें अब चौंकाती नहीं हैं। नगरसेवकों को होटलों में कैद करना (रिजॉर्ट पॉलिटिक्स) इस बात का प्रतीक है कि हमारे प्रतिनिधियों को खुद पर या अपनी पार्टी पर भरोसा नहीं है। जब एक दल का निर्वाचित प्रतिनिधि दूसरे दल में शामिल होता है, तो वह तकनीकी रूप से तो दलबदल विरोधी कानून की कमियों का लाभ उठा लेता है, लेकिन नैतिक रूप से वह पराजित हो जाता है। महाराष्ट्र की जनता ने देखा है कि कैसे दशकों पुराने गठबंधन रातों-रात टूट गए और जो दल एक-दूसरे के अस्तित्व को मिटाने की बात करते थे, वे सत्ता के लिए गले मिलते नजर आए। यह 'सत्ता का मोह' लोकतंत्र के उस बुनियादी सिद्धांत के खिलाफ है जहां जनता का निर्णय सर्वोपरि होना चाहिए। आज महाराष्ट्र का आम मतदाता गहरे संशय और भ्रम में है। जनता के मन में यह सवाल कौंध रहा है कि क्या उनके वोट की कोई कीमत बची है? मतदाता ने एक 'पार्टी ए' के घोषणापत्र और उसकी विचारधारा को वोट दिया, लेकिन चुनाव के बाद वह प्रतिनिधि 'पार्टी बी' की गोद में बैठ गया। ऐसे में जनता खुद को ठगा हुआ महसूस करती है। यह भ्रम लोकतंत्र के लिए सबसे घातक है। जब जनता का विश्वास चुनावी प्रक्रिया से उठने लगता है, तो वह व्यवस्था के प्रति उदासीन हो जाती है। ₹सब एक जैसे हैं₹ की यह भावना किसी भी जीवंत लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। जनता देख रही है कि विकास के मुद्दे, सड़कों की हालत, पानी की समस्या और स्थानीय निकाय के मूल कार्य कहीं पीछे छूट गए हैं और पूरा प्रशासनिक तंत्र केवल इस बात में लगा है कि 'मेयर' किसका बनेगा और 'सत्ता' किसके हाथ में रहेगी। राजनीतिक दलों ने अपनी पहचान खो दी है। दक्षिणपंथी, वामपंथी या मध्यमार्गी होने का दावा करने वाले दल अब केवल 'सत्तावादी' बनकर रह गए हैं। मूल्यों के इस पतन का सीधा असर प्रशासन पर पड़ता है। जब सत्ता का आधार अस्थिर और अनैतिक हो, तो प्रशासन में जवाबदेही खत्म हो जाती है। अधिकारी भी राजनीतिक आकाओं के इशारे पर काम करने लगते हैं, जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। नगरपालिकाओं का बजट करोड़ों में होता है। सत्ता के पीछे की इस भगदड़ का एक बड़ा कारण इन संसाधनों पर कब्जा करना भी है। जब विचारधारा पीछे छूट जाती है, तो केवल 'लेन-देन' की राजनीति बचती है। इससे विकास कार्य बाधित होते हैं और करदाताओं का पैसा राजनीतिक उठापटक की भेंट चढ़ जाता है महाराष्ट्र में जारी यह सत्ता संघर्ष भारतीय राजनीति के गिरते स्तर का प्रतिबिंब है। यदि हमें लोकतंत्र को बचाना है, तो जनता को जागरूक होना होगा। केवल दलबदल विरोधी कानूनों को सख्त करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा। सत्ता प्राप्त करना बुरा नहीं है, लेकिन मूल्यों की बलि देकर प्राप्त की गई सत्ता न तो स्थायी होती है और न ही सम्मानीय। यदि नेताओं ने जनता के विश्वास और विचारधारा के सम्मान को प्राथमिकता नहीं दी, तो भविष्य में लोग मतदान केंद्रों तक जाना बंद कर देंगे, जो किसी भी लोकतंत्र की अंतिम विदाई होगी। महाराष्ट्र की जनता अब 'स्थिरता' और 'शुचिता' की तलाश में है। यह समय है कि नेता सत्ता की इस अंधी दौड़ को रोककर उन मूल्यों की ओर लौटें जिनके लिए यह राष्ट्र और उसकी लोकतांत्रिक व्यवस्था जानी जाती है।

जीवन मंत्र

# दुख से निकलने का रास्ता

**सकारात्मक सोच अभ्यास से आती है, और यही अभ्यास दुख को कम करता है। तीसरा रास्ता है—कर्म। खाली मन दुख का सबसे बड़ा घर होता है। जब हम अपने काम, सेवा, अध्ययन या रचनात्मक गतिविधियों में स्वयं को लगाते हैं, तो मन को नई दिशा मिलती है।**

दुख जीवन का वह सत्य है, जिससे कोई भी मनुष्य अछूता नहीं रहता। कभी वह अपनों के बिछुड़ने से आता है, कभी असफलता, अपमान या अपेक्षाओं के टूटने से। दुख अपने आप में शत्रु नहीं है, बल्कि वह हमें भीतर झांकने और स्वयं को समझने का अवसर देता है। समस्या तब होती है, जब हम दुख को अपना स्थायी साथी मान लेते हैं। दुख से निकलने का पहला रास्ता है—स्वीकार। जो हो चुका है, उसे नकारने से पीड़ा और बढ़ती है। जब हम यह मान लेते हैं कि दुख जीवन का एक चरण है, अंत नहीं, तभी मन हल्का होना शुरू होता है। स्वीकार का अर्थ हार मानना नहीं, बल्कि यथार्थ को समझकर आगे बढ़ने की तैयारी करना है। दूसरा मार्ग है—अपने विचारों पर नियंत्रण। अक्सर दुख परिस्थितियों से नहीं, बल्कि उनके बारे में हमारी सोच से पैदा होता है। नकारात्मक विचारों को बार-बार दोहराने से मन और कमजोर होता जाता है। इसके स्थान पर यदि हम स्वयं से कहें कि यह समय भी बीत जाएगा, तो भीतर आशा का दीप जल उठता है। सकारात्मक सोच अभ्यास से आती है, और यही अभ्यास दुख को कम करता है। तीसरा रास्ता है—कर्म। खाली मन दुख का सबसे बड़ा घर होता है। जब हम अपने काम, सेवा, अध्ययन या रचनात्मक गतिविधियों में स्वयं को लगाते हैं, तो मन को नई दिशा मिलती है। किसी और के लिए कुछ करना, किसी जरूरतमंद की मदद करना, अपने दुख को छोटा बना देता है। चौथा और सबसे गहरा मार्ग है—आध्यात्मिक दृष्टि। जीवन केवल सुख-दुख का जोड़ नहीं, बल्कि आत्मविकास की यात्रा है। प्रार्थना, ध्यान, जप या आत्मचिंतन मन को स्थिर करता है और भीतर शक्ति जगाता है। तब हम समझ पाते हैं कि दुख स्थायी नहीं, बल्कि हमें मजबूत बनाने का माध्यम है। दुख से निकलने का रास्ता बाहर नहीं, हमारे भीतर ही है। जब हम स्वयं पर भरोसा करते हैं, तो हर अंधेरी रात के बाद एक नई सुबह अवश्य आती है।

जीवन ऊर्जा — जन्म — जैक निकोलसन : जन्म 21 जनवरी 1937

## सफलता वही है, जो आत्मसम्मान के साथ मिले

**जैक निकोलसन हॉलीवुड के सबसे प्रभावशाली और प्रतिष्ठित अभिनेताओं में गिने जाते हैं। उनका जन्म 21 जनवरी 1937 को अमेरिका में हुआ। उन्होंने अपने अभिनय करियर में विविध और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाकर सिनेमा को नई ऊंचाई दी। वन फ्ल्यू ओवर द कुकूज नेस्ट, द शाइनिंग, बैटमैन और एज गुड ऐज इट गेट्स जैसी फिल्मों में उनका अभिनय अविस्मरणीय माना जाता है।**

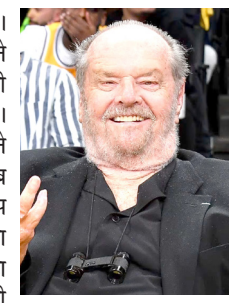

जैक निकोलसन तीन बार ऑस्कर पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं। उनकी खास पहचान उनकी सशक्त संवाद अदायगी, गहरी भावनात्मक अभिव्यक्ति और निडर व्यक्तित्व है, जिसने उन्हें सिनेमा इतिहास का एक कालजयी कलाकार बना दिया। जीवन बहुत छोटा है, इसलिए उसे अपनी शर्तों पर जियो। मैं परफेक्ट बनने से ज्यादा सच्चा बनने में विश्वास रखता हूं। सफलता वही है, जो आत्मसम्मान के साथ मिले। अगर आप खुद से ईमानदार हैं, तो दुनिया आपको नज़रअंदाज़ नहीं कर सकती। डर को स्वीकार करना ही उसे हराने का पहला कदम है। उम्र सिर्फ कैलेंडर में बदलती है, जुनून दिल में रहता है। मैंने गलतियों से उतना सीखा है, जितना जीत से। अभिनय मेरे लिए खुद को खोजने की प्रक्रिया है। जो आप हैं, वही बने रहना सबसे बड़ी हिम्मत है। हर दिन खुद को साबित करने का नया मौका होता है। जब आप जोखिम लेते हैं, तभी आप सच में जीते हैं। भीड़ का हिस्सा बनना आसान है, अलग खड़ा होना मुश्किल। सच्ची आज़ादी दूसरों की अपेक्षाओं से मुक्त होना है। प्रतिभा मेहनत के बिना अधूरी है। ज़िंदगी में सबसे बड़ा पछतावा वही होता है, जो आपने किया ही नहीं। खुद पर भरोसा करना सबसे बड़ा निवेश है। मैं आलोचना से नहीं डरता, मैं औसतपन से डरता हूं। हर किरदार मुझे इंसान को समझना सिखाता है। जीतने से ज्यादा जरूरी है, हार से सीखना। जो दिल कहे, वही करने की हिम्मत रखो। समय बदलता है, लेकिन चरित्र हमेशा पहचाना जाता है। खुद से समझौता करना सबसे बड़ी हार है। जब आप खुश होते हैं, तब आप सबसे अच्छे होते हैं। अनुभव किताबों से नहीं, जीवन से मिलता है। सच्चाई कभी फैशन से बाहर नहीं जाती। मैं सफलता को शोर से नहीं, संतोष से मापता हूं। हर इंसान के भीतर एक कहानी छिपी होती है। मेहनत को कोई शॉर्टकट नहीं हरा सकता। खुद को स्वीकार करना ही असली जीत है। ज़िंदगी का असली मज़ा उसे पूरी ईमानदारी से जीने में है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

# कलयुग में त्याग, वैराग्य और कृष्णभक्ति का उज्ज्वल आदर्श

भारतवर्ष की संत परंपरा में अनेक महापुरुष हुए हैं, जिन्होंने अपने जीवन से आदर्श स्थापित किए, किंतु परम पूज्य रामचंद्र डोंगरे जी महाराज का नाम त्याग, निस्पृहता और निष्काम भक्ति के कारण विशेष श्रद्धा से लिया जाता है। उनकी कथा कई बार कही जा चुकी है, फिर भी ऐसा लगता है कि संसार को बार-बार जानना चाहिए कि इस कलयुग में भी ऐसे महान संत हुए, जिन्होंने मन, वचन और कर्म—तीनों से मानवता का उपकार किया। डोंगरे महाराज एक सिद्ध भागवताचार्य थे, किंतु उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे भागवत कथा के लिए कभी धन स्वीकार नहीं करते थे। वे केवल एक तुलसी पत्र स्वीकार करते थे। जहां भी वे कथा कहते, वहां प्राप्त दान-दक्षिणा और चढ़ावे को उसी नगर या गांव के गरीबों, असहायों और जरूरतमंदों के कल्याण में दान कर देते थे। उन्होंने न तो कोई ट्रस्ट बनाया, न आश्रम खड़ा किया और न ही शिष्यों की परंपरा चलाई। उनका जीवन पूर्णतः आत्मनिर्भर और विरक्त था। वे स्वयं भोजन बनाते, ठाकुरजी को भोग लगाकर प्रसाद रूप में ग्रहण करते थे। वास्तव में वे कलयुग के सच्चे संत थे। उनके जीवन की एक अत्यंत विलक्षण घटना उनके गृहस्थ जीवन से जुड़ी है। विवाह के प्रथम दिवस ही उन्होंने अपनी धर्मपत्नी से कहा कि वे दोनों पहले 108 भागवत कथाओं का पारायण करेंगे और उसके बाद ही गृहस्थ आश्रम में प्रवेश करेंगे। उनकी पत्नी ने इसे सहर्ष स्वीकार किया। इसके बाद लगभग सात वर्षों तक जहां-जहां डोंगरे महाराज कथा करने जाते, उनकी पत्नी भी साथ रहतीं। जब 108 भागवत कथाएं पूर्ण हुईं, तब महाराज ने पत्नी से संतानोत्पत्ति की इच्छा पूछी। इस पर उनकी पत्नी ने कहा कि 108 भागवत कथाओं के श्रवण के बाद उन्होंने श्रीकृष्ण को ही अपना पुत्र मान लिया है और अब संतान की कोई आवश्यकता नहीं है। ऐसा त्याग, ऐसी भक्ति और ऐसा कृष्ण-प्रेम दुर्लभ है। सचमुच, ऐसे पतिपत्नी धन्य हैं। डोंगरे महाराज जीवनभर देश-विदेश में भागवत कथा का रस बरसाते रहे, जबकि उनकी पत्नी आबू में रहती थीं। पत्नी की मृत्यु का समाचार उन्हें पांच दिन बाद मिला। जब वे अस्थि विसर्जन के लिए पहुंचे, तब उनके साथ मुंबई के प्रसिद्ध उद्योगपति सेठ रतिभाई पटेल भी थे। सेठ जी ने बाद में बताया कि महाराज ने उनसे कहा—"रति भाई, मेरे पास तो कुछ है नहीं, अस्थि विसर्जन में खर्च लगेगा। पत्नी का मंगलसूत्र या कर्णफूल बेचकर जो मिलेगा, उसी से यह क्रिया कर लेते हैं।" यह सुनकर सेठ रतिभाई फूट-फूट कर रो पड़े। जिनके एक संकेत पर लोग सब कुछ देने को तैयार रहते थे, वही महापुरुष पत्नी के अंतिम संस्कार के लिए स्वयं के पास धन न होने की बात कह रहा था। डोंगरे महाराज के अंतिम प्रवचन में बड़ी राशि एकत्र हुई थी, जिसे उन्होंने स्वयं के लिए न रखकर गोरखपुर के कैंसर अस्पताल को दान कर दिया। उन्होंने जीवनभर केवल दिया, कभी लिया नहीं। उनका संपूर्ण जीवन सनातन धर्म के उस उच्च आदर्श का प्रतीक है, जहां त्याग, सेवा और ईश्वरभक्ति सर्वोपरि है। ऐसे विरक्त, निष्काम और महान संत के चरणों में कोटि-कोटि नमन भी कम है। डोंगरे महाराज का जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्चा संत वही है, जो स्वयं कुछ न रखे और संसार को सब कुछ दे जाए।

**पंडित कैलाशचंद्र शर्मा**
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

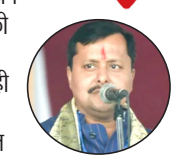

अगले कुछ महीनों में तमिलनाडु, असम, बंगाल, केरल और पुडुचेरी में चुनाव होने वाला है और वहां की डेमोग्राफी की चर्चा हो रही है कि किस प्रकार वहां डेमोग्राफी बदल रही है। यह हमारे लिए चुनौती है लेकिन हम पूरी तरह आश्वस्त हैं कि भाजपा का कार्यकर्ता अपने संघर्ष और परिश्रम के बल पर इन पांचों राज्यों में सशक्त भाजपा का नेतृत्व प्रदान करेगा।

**-नितिन नबीन**
**बीजेपी अध्यक्ष**

मामला सिर्फ नाम बदलने का नहीं है। गांधी जी का अपमान किया गया है, लेकिन उससे भी बड़ी बात है कि हमारे गरीब जनता का जो प्रोटेक्शन था, वह हटा दिया गया है. जो डेमोक्रेटिक जड़ है, एक प्रकार से उसको काटा गया है। कांग्रेस पार्टी पूरे देश में मनरेगा को बचाने का आंदोलन चला रही है।

**-राहुल गांधी**
**नेता, विपक्ष**

कांग्रेस अपने इस घंघोर पतन की समीक्षा नहीं करती क्योंकि अगर समीक्षा करेंगे तो फिर उसी परिवार पर सवाल उठेंगे जिसने कांग्रेस पर कब्ज़ा कर रखा है इसलिए ये बहाने ढूंढते रहते हैं। दूसरी तरफ भाजपा है, हम हार और जीत के बाद समीक्षा करते हैं।

**-नरेंद्र मोदी**
**प्रधानमंत्री**

किसी पीएम को समाज के सभी वर्गों, जातियों और धर्मों के बारे में सोचना चाहिए लेकिन मोदी जी यह करना भूल गए। मुझे लगता है कि उन्होंने यह जानबूझकर किया। मुस्लिम, सिख, ईसाई, सिख, पारसी जैसे अल्पसंख्यक देश का अहम हिस्सा हैं।

**-शरद पवार**
**वरिष्ठ नेता**

अपने विचार

**डीबीडी कार्यालय**

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि." के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार).

## ब्रीफ न्यूज़

### बांद्रा टर्मिनस एवं जबलपुर के बीच स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को समायोजित करने के उद्देश्य से ट्रेन संख्या 02133/02134 बांद्रा टर्मिनस–जबलपुर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 02133 बांद्रा टर्मिनस–जबलपुर स्पेशल तथा ट्रेन संख्या 02134 जबलपुर–बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को अगली सूचना तक विस्तारित किया गया है।

### आईजीएम उप जिला अस्पताल में सिकलसेल एनीमिया का विशेष अभियान शुरू

भिवंडी। भिवंडी के स्वर्गीय इंदिरा गांधी स्मृति उपजिला अस्पताल में 15 जनवरी से 7 फरवरी तक अरुणोदय-सिकलसेल एनीमिया विशेष अभियान सप्ताह का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन चिकित्सा अधीक्षक डॉ. माधवी पंदारे ने डॉ. गुलफाम शेख, डॉ. इज़हार अंसारी, श्रीमती हेमलता जाधव, अश्विनी नाडे और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में किया। इस अभियान में सिकलसेल रक्त परीक्षण, सिकलसेल परामर्श और विवाह पूर्व परामर्श शामिल हैं। अस्पताल के गैर-संचारी रोग विभाग के अंतर्गत किशोर लड़के-लड़कियों को सिकलसेल के बारे में जानकारी दी जाएगी। सभी गर्भवती महिलाओं का रक्त परीक्षण किया जाता है और 0 से 40 वर्ष की आयु के नागरिकों से भी सक्रिय भागीदारी की अपील की गई है। अभियान के लिए अस्पताल का प्रयोगशाला विभाग और महालैब पूरी तरह तैयार हैं।

# ठाणे मनपा की 'इको-फ्रेंडली' विसर्जन की तैयारी

**कमिश्नर ने जारी किए विशेष दिशा-निर्देश**

**माघी गणेशोत्सव**

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

माघी गणेशोत्सव का पावन पर्व 22 जनवरी, 2026 से शुरू होने जा रहा है। 10 दिनों तक चलने वाले इस उत्सव के लिए ठाणे महानगर पालिका (TMC) ने कमर कस ली है। ठाणे मनपा कमिश्नर सौरभ राव ने पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए 'इको-फ्रेंडली' विसर्जन के खास इंतजामों की घोषणा की है। उन्होंने सभी गणेश भक्तों से अपील की है कि वे प्रदूषण मुक्त उत्सव मनाने में प्रशासन का सहयोग करें।

### ऊँचाई के अनुसार विसर्जन स्थलों का वर्गीकरण

सुचारू विसर्जन के लिए टीएमसी ने मूर्तियों की ऊँचाई के अनुसार तीन श्रेणियों में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सार्वजनिक मंडलों को प्रोत्साहित किया जा रहा है कि वे छोटी मूर्तियों का उपयोग करें। 2 से 3 फीट की मूर्तियों का विसर्जन विशेष रूप से बनाए गए टैंकों में होगा। 3 से 6 फीट की मूर्तियों के लिए कृत्रिम तालाबों की व्यवस्था की गई है। 6 फीट से अधिक की बड़ी मूर्तियों को ही खाड़ी घाटों पर विसर्जित करने की अनुमति होगी।

### पर्यावरण की सुरक्षा: जल शुद्धिकरण पर जोर

मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान ने एक महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि विसर्जन के लिए उपयोग किए जाने वाले टैंकों और कृत्रिम तालाबों के पानी को सीधे प्राकृतिक जल स्रोतों में नहीं छोड़ा जाएगा। विसर्जन के बाद इस पानी को महानगर पालिका द्वारा वैज्ञानिक तरीके से 'प्यूरिफाई' (शुद्ध) किया जाएगा, जिसके बाद ही इसे जल स्रोतों में प्रवाहित किया जाएगा ताकि जलीय जीवन सुरक्षित रहे।

### मूर्तिकारों के लिए कड़े नियम: सेल्स रजिस्टर अनिवार्य

प्रशासन ने प्लास्टर ऑफ पेरिस (POP) की मूर्तियों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। पीओपी मूर्तियाँ बनाने और बेचने वालों को एक 'सेल्स रजिस्टर' रखने का निर्देश दिया गया है। इसमें मूर्ति की ऊँचाई और उसके निर्माण में इस्तेमाल सामग्री की स्पष्ट जानकारी दर्ज करनी होगी। कमिश्नर ने बताया कि मूर्तियों के डेटा के आधार पर ही विसर्जन का माइक्रो-प्लान तैयार किया गया है, ताकि किसी भी घाट या तालाब पर भीड़ अनियंत्रित न हो।

### क्षेत्रवार विसर्जन केंद्रों की सूची

ठाणे के विभिन्न क्षेत्रों में भक्तों की सुविधा के लिए निम्नलिखित स्थानों पर व्यवस्था की गई है:

**कोपरी-नौपाड़ा:** मसुंदा झील घाट और कोपरी विसर्जन घाट।

**कलवा:** नेचर पार्क कृत्रिम झील, पारसिक रेती बंदर, खारीगांव झील घाट और न्यू शिवाजी नगर खाड़ी घाट।

**दिवा व मुंब्रा:** दतिवली लेक, खाड़ी घर सैंड पोर्ट और राणा नगर खाड़ी घाट।

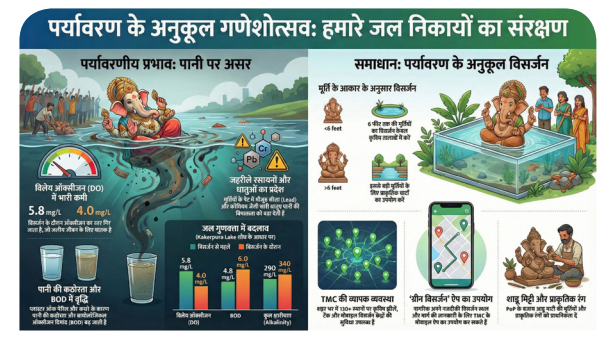




### पश्चिमी ठाणे और वागले इस्टेट के इंतजाम

शहर के अन्य प्रमुख हिस्सों में भी विसर्जन की व्यापक व्यवस्था है। माजिवड़ा-मानपाड़ा क्षेत्र के भक्तों के लिए बालकुंभ और गौमुख विसर्जन घाट तैयार किए गए हैं। वहीं, वागले इस्टेट में रोड नंबर 22 (नेप्चून एलिमेंट कंपनी के पास) रायला देवी झील और वर्तक नगर में उपवन स्थित पायल देवी मंदिर के पास विसर्जन की व्यवस्था की गई है। प्रशासन द्वारा सार्वजनिक गणेश मंडलों को 'सिंबॉलिक' (प्रतीकात्मक) विसर्जन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

## मराठी भाषा पखवाड़े में टीएमसी ने रखे सांस्कृतिक कार्यक्रम

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

मराठी भाषा के संरक्षण, संवर्धन और नई पीढ़ी में भाषा के प्रति प्रेम व गर्व की भावना विकसित करने के उद्देश्य से ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन सरकार की गाइडलाइंस के अनुसार 'मराठी भाषा पखवाड़ा' मना रहा है। मनपा आयुक्त सौरभ राव ने बताया कि इस अवसर पर मनपा स्कूलों में शैक्षणिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

### साहित्यिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों की श्रृंखला

इस पहल के तहत बुधवार, 21 जनवरी 2026 को शाम 4 बजे प्रसिद्ध कवि और लेखक अरुण म्हात्रे का विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया है, जिसमें वे 'जगाने वाहे गान' विषय पर मार्गदर्शन करेंगे। इसके साथ ही विद्यार्थियों में मराठी भाषा का महत्व समझाने के लिए मनपा स्कूलों में निबंध और भाषण प्रतियोगिताएं भी रखी गई हैं, ताकि छात्र अपने विचार अभिव्यक्त कर सकें। मराठी साहित्यिक परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए मंगलवार, 27 जनवरी 2026 को शाम 4 बजे स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल ऑडिटोरियम में मराठी कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। वहीं, पखवाड़े के समापन अवसर पर 28 जनवरी को सुबह 10 बजे ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन परिसर में ग्रंथ दिंडी निकाली जाएगी, जिसके माध्यम से पठन संस्कृति, पुस्तकों का महत्व और मराठी साहित्य की समृद्ध विरासत को नागरिकों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

## मनपा चुनाव में नवनिर्वाचित नगरसेवकों से मुलाकात

ठाणे। ठाणे में नवनिर्वाचित नगरसेवकों और नगरसेविकाओं ने परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक से मुलाकात की। इस अवसर पर मंत्री सरनाईक ने उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और उनके कार्यकाल में सफलता की कामना की। इस मौके पर परिषा प्रताप सरनाईक, विक्रांत संजय टंडेल, अनीता राम ठाकुर, सिद्धार्थ दिलीप ओवलेकर, मुकेश मधुकर मोकाशी, स्नेहा रमेश आम्ब्रे, आशादेवी शेरबहादुर सिंह, सुलेखा चव्हाण, जयश्री जेरी डेविड, सीताराम बाजी राणे, वनिता संदीप घोगरे, सरिता दिगंबर ठाकुर, प्रशांत (राजा) जाधव, विमल भोईर, कल्पना पाटिल, राजू फाटक, वैभव सदाशिव कदम, उषा संजय भोईर, सपना भूषण भोईर, देवराम लक्ष्मण भोईर, संजय देवराम भोईर, शीतल संतोष धमाले, कंचन विजय चिंदरकर, राकेश विजय शिंदे, दिलीप चंद्रकांत बारटक्के, पवन कदम, अनिल भोर और गणेश कांबले सहित नए चुने गए सरकारी कर्मचारियों का सम्मान किया गया। इस दौरान युवा सेना के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्वेश सरनाईक भी मौजूद रहे।

## दावोस में एमएमआरडीए ने रचा इतिहास

### 8.73 लाख करोड़ रुपए के 10 निवेश समझौते किए

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

विश्व आर्थिक मंच (WEF) 2026 के पहले ही दिन मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (MMRDA) ने रिकॉर्ड बनाते हुए 96 बिलियन डॉलर (करीब 8.73 लाख करोड़ रुपये) के 10 निवेश समझौते किए। स्विट्जरलैंड के दावोस में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में एमएमआरडीए आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी ने इन एमओयू पर हस्ताक्षर किए। यह निवेश 'मुंबई 3.0' के विजन को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है, जो मुंबई को वैश्विक स्तर पर सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर और हाई-टेक इनोवेशन का केंद्र बनाएगा। यह आंकड़ा वर्ष 2025 में मिले 40 बिलियन डॉलर के निवेश से दोगुने से भी अधिक है।

### 9.6 लाख रोजगार, औद्योगिक और डिजिटल हब पर जोर

इन निवेश परियोजनाओं से मुंबई महानगर क्षेत्र में करीब 9.6 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने का अनुमान है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने इसे महाराष्ट्र को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में अहम मील का पत्थर बताया। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि इन परियोजनाओं से मुंबई, ठाणे, कल्याण और आसपास के क्षेत्र वैश्विक औद्योगिक और नवाचार केंद्र के रूप में उभरेंगे। SBG ग्रुप के साथ 45 बिलियन डॉलर, पंचशील रियल्टी के साथ 25 बिलियन डॉलर और रहेजा कॉर्प के साथ 10 बिलियन डॉलर के समझौते के जरिए लॉजिस्टिक्स, डेटा पार्क, फिनटेक, एआई और इनोवेशन सिटीज विकसित की जाएंगी। MMRDA ने IISM ग्लोबल के साथ 8 बिलियन डॉलर की स्पोर्ट्स सिटी और स्किल-टेक यूनिवर्सिटी परियोजना, जबकि सुमितोमो रियल्टी के साथ 8 बिलियन डॉलर की साझेदारी के तहत बीकेसी को प्रीमियम हाई-स्ट्रीट डिस्ट्रिक्ट के रूप में विकसित करने का फैसला किया है।

## मध्य रेल की 8 विशेष ट्रेन सेवाओं की घोषणा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ और बढ़ती मांग को देखते हुए मध्य रेल ने मुंबई से कोल्हापुर, अमरावती और नांदेड़ के बीच 8 विशेष ट्रेन सेवाएं चलाने का निर्णय लिया है। ये ट्रेनें मुख्य रूप से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT), लोकमान्य तिलक टर्मिनस (LTT) और पनवेल से संचालित की जाएंगी। इन सेवाओं का उद्देश्य आगामी व्यस्त दिनों में यात्रियों को सुगम और सुविधाजनक यात्रा विकल्प प्रदान करना है।

### मुंबई-कोल्हापुर विशेष सेवा (2 ट्रेनें)

मुंबई और कोल्हापुर के बीच यात्रा करने वालों के लिए ट्रेन संख्या 01039, 24 जनवरी 2026 को CSMT से रात 00:30 बजे रवाना होकर उसी दिन 11:45 बजे कोल्हापुर पहुँचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 01040, 26 जनवरी को कोल्हापुर से शाम 16:40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 04:05 बजे मुंबई पहुँचेगी। इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, शयनयान (Sleeper) और सामान्य श्रेणी के कोच शामिल होंगे, जो दादर, ठाणे, पुणे और सतारा जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी।

### मुंबई-नांदेड़ विशेष सेवा (4 ट्रेनें)

नांदेड़ मार्ग पर यात्री दबाव को कम करने के लिए एलटीटी (LTT) से नांदेड़ के बीच 4 सेवाएं संचालित होंगी। ट्रेन संख्या 01041 दिनांक 23 और 24 जनवरी को एलटीटी से दोपहर 15:30 बजे रवाना होगी। वापसी में ट्रेन संख्या 01042 दिनांक 24 और 25 जनवरी को नांदेड़ से रात 23:30 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन छत्रपति संभाजीनगर, नाशिक रोड और ठाणे जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों पर ठहराव लेगी, जिससे मराठवाड़ा क्षेत्र के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा।

### पनवेल-अमरावती अनारक्षित विशेष सेवा (2 ट्रेनें)

पनवेल और अमरावती के बीच यात्रियों की सुविधा के लिए अनारक्षित विशेष ट्रेनें भी चलाई जाएंगी। ट्रेन संख्या 01416 अमरावती से 22 जनवरी को दोपहर 12:00 बजे प्रस्थान करेगी, जबकि ट्रेन संख्या 01415 पनवेल से 26 जनवरी को शाम 19:50 बजे रवाना होगी। इस ट्रेन की संरचना में 16 शयनयान और सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच होंगे। यह सेवा अहमदनगर, मनमाड, भुसावल और अकोला जैसे रूट के यात्रियों के लिए एक किफ़ायती और सुलभ विकल्प साबित होगी।

## काशीनाथ घाणेकर नाट्यगृह का नूतनीकरण

**कलाकारों और दर्शकों की सुविधाओं को दी जाएगी प्राथमिकता**

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे के डॉ. काशीनाथ घाणेकर नाट्यगृह का नूतनीकरण किया जाएगा। मनपा आयुक्त सौरभ राव ने निर्देश दिए हैं कि नाट्यगृह में काम करते समय कलाकारों और दर्शकों की सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाए। कलाकारों से उनकी जरूरतों के बारे में चर्चा की जाएगी और दर्शकों की सुविधाओं का भी ध्यान रखा जाएगा। नाट्यगृह नुतनीकरण के लिए सरकार से फंड मिल चुका है और आयुक्त ने मंगलवार को इस फंड के तहत हो रहे काम का रिव्यू किया। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त संदीप मालवी और प्रशांत रोडे, उपायुक्त उमेश बिरारी, इंजीनियर सुधीर गायकवाड़ और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

### मरम्मत और सुधार के काम

मीटिंग में मुख्य ऑडिटोरियम की मरम्मत को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया। इसमें वॉटरप्रूफिंग, प्लंबिंग, बिजली, लाइट फिटिंग, साउंड सिस्टम, एयर कंडीशनिंग, स्टेज की मरम्मत, रूफ गार्डन, वीआईपी रूम के पर्दे और टॉयलेट सुधार जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। इसके अलावा ड्रेनेज लाइन, लकड़ी के स्टेज लेवल का जीर्णोद्धार, डिजिटल बिलबोर्ड, और प्रवेश द्वारों का निरीक्षण भी शामिल था। आयुक्त राव ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सरकार से मिले फंड का इस्तेमाल केवल नाट्यगृह की मरम्मत और सुधार के लिए ही किया जाए।

**वसुधैव कुटुंबकम कॉन्क्लेव**

## संप्रभुता, वैश्विक संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर विस्तृत चर्चा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में आयोजित 'वसुधैव कुटुंबकम की ओर' कॉन्क्लेव और प्रदर्शनी के पांचवें दिन संप्रभुता, वैश्विक संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर विस्तृत चर्चा हुई। यह कार्यक्रम 79वें परम पूज्य गच्छाधिपति जैनाचार्य युगभूषणसूरीजी महाराज के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। पूरे दिन 'वसुधैव कुटुंबकम' प्रदर्शनी खुली रही, जिसमें आगंतुकों ने प्राचीन भारतीय ज्ञान में निहित 12 शाश्वत सिद्धांतों की प्रस्तुति देखी और शासन, राजनयिक संबंधों तथा संस्थागत जिम्मेदारी पर विमर्श का अनुभव किया।

### छात्रों और युवा समूहों की सक्रिय भागीदारी

आज छात्रों ने मॉडल यूनाइटेड नेशंस (MUN) और 'नालंदा वाद' सत्रों में भाग लिया, जिससे वे राजनयिक संबंधों, शासन और नैतिक निर्णय प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप से समझ सके। मथुरादास हॉल में 'संप्रभुता: प्राचीन और आधुनिक' विषय पर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें पूज्य महाराज साहेब और RBI के केंद्रीय बोर्ड के अंशकालिक निदेशक एस. गुरुमूर्ति ने भाग लिया। इस सत्र में आर्थिक संप्रभुता, सांस्कृतिक स्वायत्तता और वैश्वीकरण के प्रभाव पर चर्चा हुई।

### बहुपक्षीय संस्थानों और भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर विचार

दोपहर के सत्र में 'बहुपक्षीय संस्थानों और संक्रमण काल' पर पैनल-4 आयोजित किया गया। इसमें संयुक्त राष्ट्र में भारत की पूर्व स्थायी प्रतिनिधि एंबेसडर रुचिरा कंबोज, धर्म एलायंस के संस्थापक प्रशांत शर्मा, IAIS महासचिव राजीव नयन और ORF निदेशक समीर पाटिल ने भाग लिया। पैनल में बहुपक्षीय संस्थानों के कामकाज और उनमें सुधार की आवश्यकता पर विचार विमर्श हुआ, जिसमें अनय जोगलेकर ने मुख्य प्रतिनिधि के रूप में उपस्थिति दी। दिन भर थिंक टैंक, प्रोफेशनल्स और शिक्षा पर पॉडकास्ट सत्र आयोजित किए गए, जिनमें 'अगस्त क्रांति मैदान घोषणापत्र' पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा, आगंतुकों ने लेजर शो और नुक्कड़ नाटकों का आनंद लिया, जिसमें प्रकाश, ध्वनि और दृश्य माध्यम से वसुधैव कुटुंबकम के मूल विषय और सामाजिक मूल्यों की जागरूकता प्रस्तुत की गई।




## 12 राशिफल में देखें अपना दिन

**मेष** यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कारोबारी सौदे बड़े हो सकते हैं।

**वृष** फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचित व्यक्तियों पर अंधविश्वास न करें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

**मिथुन** नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। आशंका-कुशंका रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है।

**कर्क** कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। निवेश लाभदायक रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

**सिंह** कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें। अपेक्षाकृत कार्य समय पर होंगे।

**कन्या** घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

**तुला** उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा। झंझटों से दूर रहें। कानूनी अड़चन का सामना करना पड़ सकता है। फालतू खर्च होगा।

**वृश्चिक** दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। फालतू बातों पर ध्यान न दें। मेहनत अधिक व लाभ कम होगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। शत्रुओं की पराजय होगी।

**धनु** बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। निवेश शुभ फल देगा।

**मकर** व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

**कुंभ** योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

**मीन** पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। अपने काम पर ध्यान दें। लाभ होगा।

## गुप्त नवरात्रि के दिव्य अवसर पर महाउपायों से खुलेंगे सुख-समृद्धि के द्वार




प्रियंका जैन
9769994439

माघ मास की गुप्त नवरात्रि 19 जनवरी 2026 से आरंभ होकर 28 जनवरी तक चलेगी। सनातन परंपरा में इस नवरात्रि को अत्यंत रहस्यमय और फलदायी माना गया है। मान्यता है कि इन नौ दिनों में माता दुर्गा की साधना गुप्त रूप से करने से जीवन के बड़े से बड़े संकट दूर हो जाते हैं। विशेष रूप से इस काल में मां की दस महाविद्याओं—काली, तारा, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, त्रिपुर भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला देवी—की आराधना की जाती है। तंत्र, मंत्र और साधना के लिए यह समय अत्यंत शक्तिशाली माना जाता है। धार्मिक विद्वानों के अनुसार गुप्त नवरात्रि में किए गए छोटे-छोटे उपाय भी चमत्कारिक प्रभाव दिखाते हैं। यदि कोई व्यक्ति कर्ज, आर्थिक तंगी या करियर में रुकावटों से परेशान है तो इन दिनों मां दुर्गा के समक्ष घी का दीपक जलाकर नौ बताशों पर दो-दो लौंग रखकर अर्पित करना शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि इस उपाय से नौकरी और व्यापार में तरक्की के रास्ते खुलने लगते हैं और धन संबंधी बाधाएं धीरे-धीरे समाप्त हो जाती हैं। यह प्रयोग 19 से 27 जनवरी के बीच किसी भी रात्रि में श्रद्धा के साथ किया जा सकता है।

स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के लिए भी गुप्त नवरात्रि को विशेष फलदायी बताया गया है। जिन घरों में लंबे समय से बीमारी ने डेरा डाल रखा हो, वहां मां को लाल रंग के पुष्प अर्पित करने की परंपरा है। आस्था है कि माता की कृपा से रोगों की तीव्रता कम होने लगती है और मन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसी प्रकार विवाह में आ रही अड़चनों के लिए प्रतिदिन सुबह-शाम घी का दीपक जलाकर लाल फूलों की माला चढ़ाना और भजन-कीर्तन करना लाभकारी माना गया है। इससे रिश्तों की बाधाएं दूर होकर शुभ संयोग बनने लगते हैं।

परिवार में कलह और अशांति से जूझ रहे लोगों के लिए भी इस नवरात्रि में विशेष अनुष्ठान बताए गए हैं। मां के मंदिर में लाल झंडा अर्पित करने से घर का वातावरण शांत और सौहार्दपूर्ण होने लगता है, ऐसी लोकमान्यता है। बुजुर्गों का कहना है कि जब श्रद्धा और विश्वास के साथ ये कर्म किए जाते हैं तो परिवार के सदस्यों के बीच आपसी समझ बढ़ती है और नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं।

गुप्त नवरात्रि का सबसे सरल और प्रभावी उपाय दुर्गा सप्तशती या दुर्गा चालीसा का नियमित पाठ माना गया है। जो लोग समय की कमी के कारण बड़े अनुष्ठान नहीं कर पाते, वे भी यदि सच्चे मन से प्रतिदिन आरती कर लें तो माता की कृपा अवश्य प्राप्त होती है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि इन नौ दिनों में की गई सच्ची प्रार्थना कर्ज और कंगाली से मुक्ति दिलाकर जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर देती है।

## न्यूज़ ब्रीफ

### अविमुक्तेश्वरानंद को नोटिस देने की कार्रवाई अनुचित: अजय राय

जौनपुर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने प्रयागराज में माघ मेला प्रशासन द्वारा स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को नोटिस दिए जाने की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे संत समाज के प्रति असम्मानजनक बताते हुए कहा कि कांग्रेस संत-महात्माओं के सम्मान में सदैव खड़ी रही है। एक कार्यक्रम में शामिल होने जौनपुर पहुंचे अजय राय ने कहा कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को लोग शंकराचार्य के रूप में मानते हैं और उनके साथ किया गया व्यवहार निंदनीय है। उन्होंने यह भी बताया कि कांग्रेस 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी है और प्रदेश की सभी 403 सीटों पर संगठन को मजबूत किया जा रहा है। गठबंधन को लेकर निर्णय केंद्रीय नेतृत्व के स्तर पर होगा।

### डॉ. इरफान अहमद को मिलेगा भारत सेवा रत्न अवार्ड

आज़मगढ़। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में आज़मगढ़ जनपद के सुराई गांव निवासी चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. इरफान अहमद को भारत सेवा रत्न अवार्ड 2026 से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए निरंतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए दिया जा रहा है। निजामाबाद तहसील के फरिहा कस्बे में फैजी मेमोरियल हॉस्पिटल के प्रमुख डॉ. अहमद लंबे समय से निःशुल्क परामर्श, चिकित्सा शिविरों और स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों के माध्यम से जनसेवा में सक्रिय हैं। इससे पूर्व उन्हें स्वतंत्रता दिवस 2025 पर राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। सम्मान की घोषणा के बाद क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

### खुद को जीवित बताने के लिए तीन साल लगाई दौड़

उरई। जालौन जिले में प्रशासनिक चूक का मामला सामने आया है, जहां कोंच तहसील के भरसूड़ा गांव निवासी एक वृद्ध पेंशनधारी को सरकारी दस्तावेजों में मृत दर्शा दिया गया। इसके चलते उनकी वृद्धावस्था पेंशन तीन वर्षों से बंद थी। लंबे समय तक सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने के बाद पीड़ित बुजुर्ग ने जिलाधिकारी से शिकायत की, जिस पर संज्ञान लेते हुए प्रशासन ने पेंशन पुनः शुरू करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने बताया कि मामले की जांच कर पेंशन बहाल की जा रही है।

### नोएडा हादसा: तीन सदस्यीय कमेटी ने शुरू की जांच

नोएडा। सेक्टर-150 में निर्माणाधीन मॉल के बेसमेंट के लिए खोदे गए गहरे, पानी से भरे गड्ढे में कार गिरने से सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज की मौत के मामले में तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति ने जांच शुरू कर दी है। मेरठ जोन के एडीजी भानु भास्कर के नेतृत्व में टीम ने नोएडा विकास प्राधिकरण के अधिकारियों से जानकारी ली और मृतक के परिजनों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गठित समिति को पांच दिन में रिपोर्ट सौंपनी है। मामले में दो बिल्डरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

# VB-G-RAM-G विधेयक से गरीबों की आजीविका को खतरा: राहुल गांधी

**रायबरेली में मनरेगा चौपाल के माध्यम से केंद्र सरकार की नीतियों पर तीखा हमला**

एजेंसी । रायबरेली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रायबरेली प्रवास के दौरान केंद्र की भाजपा सरकार पर गरीब-विरोधी नीतियां अपनाने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मनरेगा के स्थान पर लाया जा रहा वीबी-जी-राम-जी कानून गरीबों की आजीविका और सुरक्षा दोनों के खिलाफ है तथा इसके जरिए सत्ता को जनता से छीनकर नौकरशाही के हाथों में सौंपने की कोशिश की जा रही है। पत्रकारों से बातचीत में राहुल गांधी ने कहा कि मनरेगा ग्रामीण बेरोजगारों के लिए आर्थिक संबल था, लेकिन मोदी सरकार इस योजना की मूल भावना को समाप्त कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार गरीबों को सशक्त करने के बजाय उन्हें हाशिये पर धकेल रही है और निर्णय-प्रक्रिया को पूरी तरह केंद्रीकृत कर रही है। कांग्रेस नेता ने वीबी-जी-राम-जी विधेयक को मनरेगा की आत्मा पर हमला बताया। राहुल गांधी ने बताया कि कांग्रेस पार्टी देशव्यापी 'मनरेगा बचाओ अभियान' चला रही है। उनका कहना था कि मनरेगा का उद्देश्य पंचायतों को अधिकार देना, निश्चित मजदूरी सुनिश्चित करना और ग्रामीण गरीबों को न्यूनतम सुरक्षा देना था, लेकिन नए कानून के नाम पर यह सुरक्षा कवच हटाया जा रहा है। उन्होंने मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाए जाने को भी दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। ऊंचाहार क्षेत्र के उमरन गांव में आयोजित मनरेगा चौपाल को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस सरकारों के दौरान पंचायतों को आर्थिक जिम्मेदारी दी गई थी, ताकि स्थानीय स्तर पर रोजगार और सम्मानजनक मजदूरी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता का संपूर्ण नियंत्रण अपने हाथ में रखना चाहते हैं और आम जनता के हितों की अनदेखी कर रहे हैं।

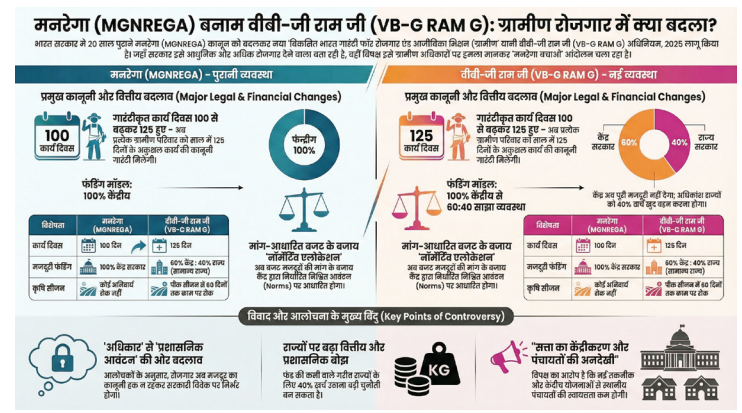


### चुनिंदा उद्योगपति उठा रहे नीतियों का फायदा

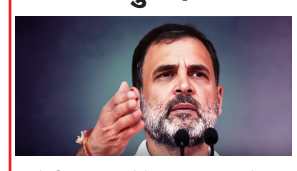

कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि मौजूदा सरकार की नीतियों का लाभ देश के कुछ चुनिंदा उद्योगपतियों को मिल रहा है, जबकि गरीब, मजदूर और किसान उपेक्षित हो रहे हैं। उन्होंने दो टूक कहा कि कांग्रेस गरीबों के अधिकारों और मजदूरों की सुरक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी। इस मौके पर सांसद केएल शर्मा, पूर्व विधायक अजयपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में मनरेगा मजदूर, पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

### रायबरेली प्रीमियर लीग का किया उद्घाटन

अपने दौरे के दौरान राहुल गांधी ने भएमऊ गेस्ट हाउस में स्थानीय प्रतिनिधियों और नेताओं से मुलाकात की तथा पंचायत चुनावों को लेकर विचार-विमर्श किया। इसके अलावा उन्होंने आईटीआई ग्राउंड में आयोजित रायबरेली प्रीमियर लीग का उद्घाटन किया, 31 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा आठ नई परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया।

# प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार देश के शीर्ष 40 जिलों में बरेली

एजेंसी । बरेली

**प्रभावी शासन और योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से मिली राष्ट्रीय पहचान**

बरेली जिले ने प्रशासनिक दक्षता और विकास कार्यों के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार–2025 के अंतर्गत समग्र जिला विकास श्रेणी में बरेली ने देशभर के 513 जिलों में से शीर्ष 40 में स्थान बनाकर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। यह सफलता जिलाधिकारी अविनाश सिंह के नेतृत्व में सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, निरंतर निगरानी और जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहे सकारात्मक परिणामों का परिणाम मानी जा रही है। देशभर से प्राप्त सैकड़ों आवेदनों में से केवल 40 जिलों का चयन इस प्रतिष्ठित श्रेणी के लिए किया गया है, जिनमें उत्तर प्रदेश से बरेली के साथ हमीरपुर, हाथरस और संभल शामिल हैं। मूल्यांकन प्रक्रिया में हर घर जल, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण व शहरी), आयुष्मान भारत, मिशन इंद्रधनुष, पीएम स्वनिधि, पीएम विश्वकर्मा, सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0, किसान क्रेडिट कार्ड और पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना सहित 11 प्रमुख योजनाओं में जिले के प्रदर्शन को परखा गया। इन योजनाओं के माध्यम से पेयजल, आवास, स्वास्थ्य सेवाएं, महिला एवं बाल कल्याण, स्वरोजगार, कृषि ऋण और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्रों में ठोस प्रगति सामने आई है।

### चौतरफा विकास से निखरा जनपद

प्रशासन की ओर से नियमित समीक्षा बैठकों, फील्ड विजिट और तकनीकी नवाचारों के उपयोग ने कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया। पर्यटन विकास के तहत लीलौर झील के सौंदर्यीकरण जैसे प्रयासों ने भी जिले की छवि को सशक्त किया है। अब 21 जनवरी को स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रस्तुतीकरण होगा। अंतिम चरण में चयन होने पर बरेली न केवल जिले बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए सुशासन का एक प्रेरक उदाहरण बनकर उभरेगा।

## फर्श और बेड पर मिले रक्तरंजित पांच शव, मारी गई गोली

**हत्या और आत्महत्या के बीच उलझी पुलिस, खंगाले जा रहे सीसीटीवी फुटेज**

एजेंसी । सहारनपुर

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां एक घर के भीतर एक ही परिवार के पांच लोगों के शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतकों के सिर पर गोली के निशान पाए गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। घर को सील कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान अमीन अशोक (40), उनकी पत्नी अंजिता (37), मां विद्यावती (70) तथा दो पुत्र कार्तिक (16) और देव (13) के रूप में हुई है। अमीन और उनकी पत्नी के शव कमरे के फर्श पर पड़े थे, जबकि वृद्ध मां और दोनों बच्चों के शव बेड पर मिले। घटनास्थल से तीन तमंचे भी बरामद किए गए हैं।

### नकुड़ तहसील में अमीन थे अशोक

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अशोक नकुड़ तहसील में अमीन के पद पर कार्यरत थे और उन्हें यह नौकरी पिता की मृत्यु के बाद अनुकंपा के आधार पर मिली थी। दोनों बेटे छात्र थे—एक कक्षा नौ और दूसरा कक्षा दस में अध्ययनरत था। पड़ोसियों के मुताबिक परिवार शांत स्वभाव का था और किसी प्रकार के विवाद की जानकारी नहीं थी।

### प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की आशंका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आशीष तिवारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि अमीन ने पहले परिवार के अन्य सदस्यों को गोली मारने के बाद स्वयं को भी गोली मार ली। हालांकि पुलिस कर्ज, नौकरी से जुड़ा तनाव, पारिवारिक विवाद या मानसिक दबाव सहित अन्य संभावित कारणों की भी जांच कर रही है। पुलिस इस संभावना को भी खंगाल रही है कि घटना के पीछे कोई बाहरी व्यक्ति तो शामिल नहीं है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और पड़ोसियों से पूछताछ जारी है। सभी मृतकों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए हैं और मामले की गहन जांच की जा रही है।

## सपा मुखिया अखिलेश यादव ने लोकसभा और राज्यसभा सांसदों संग की बैठक, बनाई रणनीति

# 37 जिताएंगे 2027 का रण

**पीडीए समीकरण के सहारे सत्ता वापसी का दावा**

**सभी विधानसभा सीटों और एसआईआर पर मंथन**

**लखनऊ।** समाजवादी पार्टी ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी तैयारियों का औपचारिक आगाज कर दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में पार्टी के लोकसभा और राज्यसभा सांसदों के साथ अहम बैठक कर चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देने की दिशा में चर्चा की। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उप्र में होने वाले विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर पहली बैठक आज 37 लोकसभा और 4 राज्यसभा सांसदों के साथ की। उन्होंने इस दौरान सांसदों से अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों की विधानसभा सीटों की रिपोर्ट ली। इसमें विधानसभा प्रत्याशियों के चयन करने को लेकर मंथन किया और चुनाव को लेकर सीटों की रिपोर्ट पर चर्चा की। बैठक के बाद अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से संदेश दिया कि वर्ष 2027 में सपा पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के व्यापक समर्थन से सरकार बनाएगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से पीडीए को और मजबूत करने का आह्वान किया।

### SIR की भी ली जानकारी

बैठक में अखिलेश यादव ने सांसदों से उनके-अपने संसदीय क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाली विधानसभा सीटों की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। संभावित प्रत्याशियों, संगठन की मजबूती और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर रिपोर्ट पर भी गहन विचार-विमर्श किया गया। पार्टी नेतृत्व ने यह आकलन किया कि किन क्षेत्रों में मतदाता सूची में नाम घटे हैं और इसका चुनावी प्रभाव क्या हो सकता है। अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद ने बताया कि पार्टी की रणनीति का केंद्र पीडीए वर्ग है, जिसे मौजूदा समय में उपेक्षा और दबाव का सामना करना पड़ रहा है। वहीं सांसद आनंद भदौरिया ने दावा किया कि 2027 में समाजवादी पार्टी दो-तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाएगी और पीडीए वर्ग की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इस रणनीतिक बैठक में प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, प्रो. रामगोपाल यादव, सांसद डिंपल यादव, रामजी लाल सुमन, नरेश उत्तम पटेल, रूची वीरा सहित पार्टी के सभी सांसद मौजूद रहे। अखिलेश ने सांसदों से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की रिपोर्ट ली गई। इसमें किस संसदीय क्षेत्र में चुनाव आयोग के मुताबिक दी गई रिपोर्ट में कितने मतदाताओं के नाम कम हुए, उस पर अहम रणनीति बनाई गई।

# व्यापार जगत

## ट्रेड वार की अनिश्चितता से डगमगाया बाजार

**शेयरों में भारी बिकवाली, सेंसेक्स-निफ्टी धड़ाम**

**निवेशकों की संपत्ति करीब 10 लाख करोड़ घटी**

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ट्रेड वॉर गहराने की आशंका, विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार निकासी और घरेलू कंपनियों के तीसरी तिमाही के मिले-जुले नतीजों ने मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार की चाल बिगाड़ दी। कारोबारी सत्र के दौरान एक समय बाद बिकवाली का दबाव इस कदर बढ़ा कि प्रमुख सूचकांक पूरे दिन संभल नहीं सके और अंततः बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। दिन की शुरुआत हल्की कमजोरी के साथ हुई थी और शुरुआती मिनटों में सीमित खरीदारी भी दिखी, लेकिन जल्द ही बाजार पर बिकवाली हावी हो गई। इसके चलते बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों में तेज गिरावट दर्ज की गई। कारोबार समाप्त होने पर सेंसेक्स 1.28 प्रतिशत और निफ्टी 1.38 प्रतिशत टूटकर बंद हुआ। इस गिरावट से निवेशकों को एक झटके में लगभग 9.90 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा।

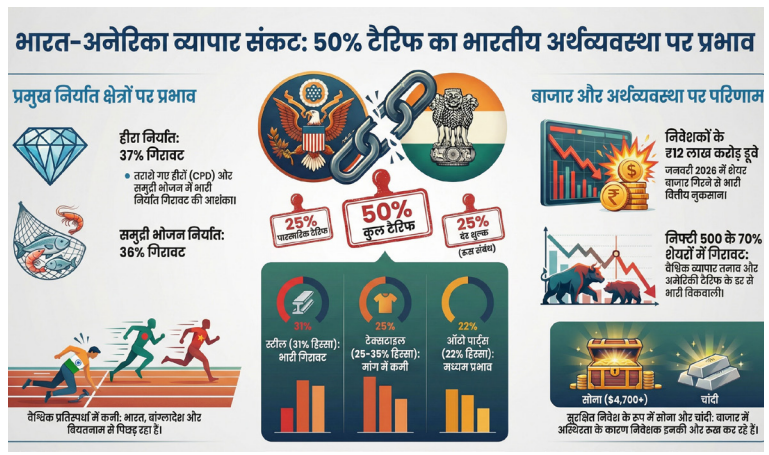


### सभी सेक्टर लाल निशान में

बाजार की कमजोरी का असर सभी सेक्टोरल इंडेक्स पर साफ नजर आया। रियल्टी सेक्टर सबसे अधिक दबाव में रहा और इसमें करीब 5 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा आईटी, मेटल, मीडिया, ऑटो, ऑयल एंड गैस, पीएसयू बैंक, कंज्यूमर ड्यूरेबल और फार्मा शेयरों में 1.50 से 2.50 प्रतिशत तक की कमजोरी रही। कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, पीएसई और टेक इंडेक्स भी नुकसान के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी बिकवाली जारी रही, जिससे बीएसई मिडकैप इंडेक्स 2.52 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 2.74 प्रतिशत टूट गया।

### मार्केट कैप में भारी गिरावट

गिरते बाजार का सीधा असर कंपनियों के बाजार पूंजीकरण पर पड़ा। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैप घटकर 455.78 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) रह गया, जो पिछले कारोबारी दिन 465.68 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह एक ही दिन में निवेशकों की संपत्ति करीब 9.90 लाख करोड़ रुपये कम हो गई।

### आंकड़ों में बिकवाली का दबाव

बीएसई में 4,402 शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 783 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,498 शेयर गिरावट में रहे। 121 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। एनएसई में 2,923 शेयरों में ट्रेडिंग हुई, जहां केवल 400 शेयरों में तेजी और 2,523 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

## बाणगंगा की अधिकृत शेयर पूंजी में बड़ा इजाफा

एजेंसी । मुंबई

मुंबई। बाणगंगा पेपर इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपनी अधिकृत शेयर पूंजी को 12 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 36 करोड़ रुपये करने की मंजूरी दे दी है। यह पूंजी 1 रुपये मूल्य के 36 करोड़ इक्विटी शेयरों में विभाजित होगी, जिसके तहत 24 करोड़ अतिरिक्त इक्विटी शेयर सृजित किए जाएंगे। इसके बाद कंपनी की कुल अधिकृत शेयर पूंजी 36 करोड़ रुपये हो जाएगी।

### सीएमजे ब्रुअरीज में हिस्सेदारी, शराब बाजार में एंट्री

बाणगंगा पेपर इंडस्ट्रीज ने सीएमजे ब्रुअरीज में 78.90 प्रतिशत नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल कर भारतीय शराब बाजार में रणनीतिक प्रवेश किया है। सीएमजे ब्रुअरीज पूर्वोत्तर भारत की प्रमुख और विश्वसनीय कॉन्ट्रैक्ट ब्रूइंग इकाइयों में से एक है, जो भारतीय और अंतरराष्ट्रीय बीयर ब्रांडों के लिए बड़े पैमाने पर उत्पादन करती है। वर्ष 2011 से परिचालन में रही सीएमजे ब्रुअरीज ने गुणवत्ता, नियामक अनुपालन और विश्वसनीयता के लिए मजबूत प्रतिष्ठा बनाई है। उल्लेखनीय है कि भारतीय बीयर बाजार का आकार 2024 में 48,310 करोड़ रुपये था, जो 2034 तक बढ़कर 1,24,169 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। ये सभी निर्णय कंपनी की हालिया असाधारण आम बैठक (ईजीएम) में लिए गए, जिसमें मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन में संशोधन को भी मंजूरी दी गई।

### कंपनी का नाम बदला, रजिस्टर्ड ऑफिस मेघालय स्थानांतरित

कंपनी ने अपने नाम में बदलाव करते हुए अब 'असगार्ड अल्कोबेव लिमिटेड' कर लिया है। इसके साथ ही रजिस्टर्ड ऑफिस को महाराष्ट्र से मेघालय स्थानांतरित करने की स्वीकृति भी दी गई है, जो केंद्र सरकार एवं संबंधित प्राधिकरणों की मंजूरी के अधीन होगी। मेघालय, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के कंपनी रजिस्ट्रार के अधिकार क्षेत्र में आता है। सदस्यों ने कंपनी के उद्देश्य खंड में संशोधन को भी मंजूरी दी, जिसके तहत अब कंपनी मादक एवं गैर-मादक पेय पदार्थों के निर्माण, बोतलबंदी, मिश्रण, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, विपणन, आयात-निर्यात और व्यापार से जुड़ा व्यवसाय करेगी। कंपनी के सदस्यों ने बाटलिबोई एंड पुरोहित को ऑडिटर नियुक्त करने की भी मंजूरी दी है। वर्ष 1907 में जे.आर. बाटलिबोई द्वारा स्थापित यह चार्टर्ड अकाउंटेंट्स फर्म 100 से अधिक वर्षों का अनुभव रखती है। फर्म के ग्राहक आईएमएफएल, बैंकिंग, बीमा, एनबीएफसी, फार्मा, ऊर्जा, तेल एवं पेट्रोलियम, कागज और उपभोक्ता वस्तुओं जैसे कई क्षेत्रों में फैले हुए हैं। ऑडिट, कॉर्पोरेट गवर्नेंस और नियामक अनुपालन में फर्म की मजबूत विशेषज्ञता मानी जाती है।

## ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा बने एसबीआई लाइफ के नए चेहरे

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत की प्रमुख निजी जीवन बीमा कंपनियों में शामिल एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने क्रिकेट जगत के सुपरस्टार ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा को अपना नया ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। कंपनी ने दोनों खिलाड़ियों को 'जॉली' और 'पॉली' के अनोखे किरदारों के रूप में पेश किया है, जो जीवन में सपनों और पारिवारिक ज़िम्मेदारियों के बीच संतुलन का संदेश देते हैं।

### 'अपने लिए, अपनों के लिए' का भाव

एसबीआई लाइफ की यह नई पहल 'अपने लिए, अपनों के लिए' ब्रांड विचार पर आधारित है। इसका उद्देश्य यह बताना है कि व्यक्तिगत आकांक्षाएं और परिवार की ज़िम्मेदारियां एक-दूसरे के विरोध में नहीं होतीं। सही वित्तीय योजना के साथ लोग अपने परिवार को सुरक्षित रखते हुए अपने सपनों को भी पूरा कर सकते हैं।

### पॉली बने रवींद्र जडेजा

रवींद्र जडेजा 'पॉली' के किरदार में शांति, भरोसे और दीर्घकालिक सोच को दर्शाते हैं। वह यह समझाते हैं कि वित्तीय सुरक्षा की तैयारी एक ज़िम्मेदारी है, जो न केवल परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करती है बल्कि व्यक्तिगत लक्ष्यों को भी मजबूती देती है। 'जॉली और पॉली' की कहानियां आम भारतीय परिवारों की रोज़मर्रा की बातचीत से जुड़ी हैं। ये किरदार बीमा को जटिल या डरावना नहीं, बल्कि जीवन का सामान्य और ज़रूरी हिस्सा बनाकर प्रस्तुत करते हैं। पहले टीवीसी में एक युवती के कुश्ती में करियर बनाने की कहानी दिखाई गई है, जहां परिवार की चिंता को एसबीआई लाइफ की वित्तीय सुरक्षा दूर करती है।

### जॉली के रूप में ऋषभ पंत

इस अभियान में ऋषभ पंत 'जॉली' के किरदार में सहजता, उम्मीद और सकारात्मक सोच का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह यह संदेश देते नजर आते हैं कि भविष्य की योजना बनाना आज़ादी छीनना नहीं, बल्कि मनचाहा जीवन जीने की स्वतंत्रता को सुरक्षित करना है।

## एचपीसीएल–एडीएनओसी गैस के बीच 10 वर्षीय एलएनजी समझौता

एजेंसी । मुंबई

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने एडीएनओसी गैस की सहायक कंपनी अबू धाबी गैस लिक्विफ़ैक्शन कंपनी (एएलएनजी) के साथ द्रवित प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की खरीद के लिए 10 वर्षों का दीर्घकालिक बिक्री एवं खरीद समझौता (एसपीए) किया है। यह करार भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच ऊर्जा सहयोग को नई ऊंचाई देने वाला माना जा रहा है।

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम

HP

### क्या है समझौता ?

समझौते के तहत एचपीसीएल को गुजरात के छारा में स्थित 5 मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता वाले एलएनजी रीगैसिफिकेशन टर्मिनल पर गैस की आपूर्ति प्राप्त होगी। यह टर्मिनल सितंबर 2025 में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया था। इस एलएनजी आपूर्ति से एचपीसीएल की रिफाइनरियों, सिटी गैस वितरण नेटवर्क तथा उर्वरक, बिजली और पेट्रोकेमिकल्स जैसे प्रमुख क्षेत्रों की बढ़ती गैस मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। एचपीसीएल के अनुसार यह रणनीतिक साझेदारी देश की ऊर्जा बास्केट में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी बढ़ाने के लक्ष्य के अनुरूप है। वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता के बीच ऐसे दीर्घकालिक समझौते आपूर्ति सुरक्षा, विश्वसनीयता और किफायती मूल्य सुनिश्चित करते हैं। यह समझौता भारत–यूएई संबंधों की गहराई को भी दर्शाता है, जहां भारत यूएई का प्रमुख एलएनजी ग्राहक बना हुआ है।

## न्यूज ब्रीफ

### घुड़दौड़ : ईगल डे बेहतर

**मुंबई।** महालक्ष्मी रेसकोर्स पर बुधवार को कुल आठ दौड़ों का कार्यक्रम रखा गया है। द्वितीय श्रेणी की मुख्य दौड़ कैलाशपत सिंघानिया ट्रॉफी में ईगल डे की स्थिति बेहतर है और उसके जीत की संभावना है। पहली दौड़ 1.30 बजे आरंभ होगी। विभिन्न दौड़ों के लिए हमारे चयन इस प्रकार हैः 1- एन्स्की (प्र.), लारा (द्वि.), 2- काराडॉक (प्र.), रेनॉयर (द्वि.), 3- केवियार क्वीन (प्र.), शानदार (द्वि.), 4- एल मोरान (प्र.), चेलसी (द्वि.), 5- ब्राजिलियर (प्र.), एन्गे रफॉयल (द्वि.), 6- ईगल डे (प्र.), चागल (द्वि.), 7- बिशप (प्र.), एम्परर रोड्रिक (द्वि.), दिन का सर्वोत्तमः बिशप।

### एमसीसी सांताक्रुज की जीत

**मुंबई।** ओवल मैदान पर खेले गए एमसीसी टैलेन्ट सर्च अंडर-12 लीग क्रिकेट स्पर्धा के दूसरे मैच में एमसीसी सांताक्रुज एकादश ने स्पाईडर क्रिकेट क्लब को सात विकेट से परास्त किया। स्पाईडर क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करके एमसीसी सांताक्रुज एकादश के समक्ष जीत के लिए 103 रनों का आसान लक्ष्य दिया। 12 रन देकर दो विकेट झटकने वाले अर्णव रॉय की अगुवाई एमसीसी सांताक्रुज एकादश की ओर से सभी गेंदबाजों सधी हुई गेंदबाजी की। जिसके जवाब में एमसीसी सांताक्रुज एकादश की टीम ने 23वें ओवर में तीन विकेट गवांकर जीत के लिए आवश्यक रन बना लिए।

### नॉर्वे शतरंज 2026 में खेलेंगे प्रज्ञाननंदा

**स्टावेंजर।** भारतीय स्टार आर प्रज्ञाननंदा ने मंगलवार को पुष्टि की कि वह तीसरी बार नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में भाग लेंगे। नई पीढ़ी के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में शामिल प्रज्ञाननंदा ने 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। उन्होंने मंगलवार को यहां एक विज्ञप्ति में कहा, नॉर्वे शतरंज में वापसी को बेकरार हूं। मुझे 2024 में वहां खेलने में काफी मजा आया। बेहद रोमांचक प्रारूप। नॉर्वे शतरंज के सीओओ बेनेडिक्टे रेस्ट्रे एस ने कहा, प्रज्ञाननंदा ने 2024 में यहां शानदार प्रदर्शन किया। उनका फिर स्वागत करना बेहतरीन होगा। प्रज्ञाननंदा ने सबसे पहले 2022 में नॉर्वे शतरंज में भाग लेकर टूर्नामेंट जीता था। फिर 2024 में मैग्नस कार्लसन को क्लासिकल प्रारूप में पहली बार हराया। उसी साल वह शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे।

# अब टी-20 में बादशाहत कायम रखने की चुनौती

## भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी-20 मुकाबला आज

एजेंसी । नागपुर

न्यूजीलैंड से घर में पहली वनडे सीरीज हारने के बाद अब भारतीय टीम के सामने टी-20 में पिछले तीन साल से चली आ रही अपनी बादशाहत बरकरार रखने की चुनौती होगी। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली टीम बुधवार को जब न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में उतरेगी तो उसका लक्ष्य लगातार 14 सीरीज से चल रहा अजेय रथ जारी रखने का होगा। इस सीरीज से भारतीय टीम अगले महीने होने वाले विश्व कप के लिए तैयारियों को भी अंतिम रूप देना चाहेगी। हालांकि फटाफट क्रिकेट में भारत एक अलग ही टीम साबित हुई है। सूर्यकुमार ने 2024 में टी-20 टीम की कप्तानी संभाली थी। तब से टीम ने कोई सीरीज नहीं गंवाई है। उसकी कप्तानी में भारत का जीत प्रतिशत 72 प्रतिशत से अधिक रहा है। टीम को पिछले हार 2023 में वेस्टइंडीज से मिली थी। उसके बाद से टीम ने जो 14 टूर्नामेंट और द्विपक्षीय सीरीज खेली उनमें से 13 जीते और एक ड्रॉ रहा। टीम ने पिछले 25 में से 18 मैच जीते हैं। इसका श्रेय काफी हद तक अभिषेक की तूफानी शुरुआत और वरुण चक्रवर्ती की बीच के ओवरों में शानदार गेंदबाजी को जाता है।

**आमने-सामने**

| | |
|---|---|
| कुल मैच | : 25 |
| भारत जीता | : 14 |
| न्यूजीलैंड | : 10 |
| टाई | : 1 |

### सूर्य बढ़ा रहे चिंता

सूर्यकुमार की खराब फॉर्म टीम की चिंता बढ़ा रही है। अब तक उनके बल्लेबाजी में निराशाजनक प्रदर्शन पर ज्यादा गौर नहीं किया गया लेकिन अब ऐसा नहीं है। उन्होंने पिछले 19 मैचों में एक भी अर्धशतक लगाए बिना केवल 218 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 123 से अधिक रहा है। तिलक को खेलने का अधिक समय देने के लिए उन्होंने बल्लेबाजी क्रम में खुद को तीसरे नंबर के बजाय चौथे नंबर पर खिसका दिया। उन्हें अब हर हाल में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

### नंबर गेम

**10** साल बाद दोनों टीमें नागपुर में खेलेंगी। 2016 में खेले गए एकमात्र मुकाबले में न्यूजीलैंड ने भारत को 47 रन से हराया था

**3** लगातार पिछले मुकाबले भारत ने यहां जीते हैं। उसने पिछली हार दस साल पहले कीवियों से ही मिली थी। टीम ने पांच में से दो मैच हारे हैं

**2** साल बाद श्रेयस भारत की ओर से टी-20 मुकाबला खेलेंगे। पिछली बार दिसंबर 2023 में बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले थे

### श्रेयस देंगे मजबूती

ईशान और श्रेयस की टी-20 में वापसी से टीम का मध्यक्रम मजबूत हुआ है। स्पिनरों के खिलाफ खेलने वाले सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक श्रेयस को तिलक के चोटिल होने के कारण टीम में जगह मिली है। नंबर चार पर श्रेयस की मौजूदगी से सूर्यकुमार को अपने पसंदीदा नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने का मौका मिलेगा। अभिषेक के साथ सैमसन पर टीम को धमाकेदार शुरुआत दिलाने का जिम्मा होगा।

### बुमराह की मौजूदगी मनोबल बढ़ाने वाली

ऑलराउंडर हार्दिक और तेज गेंदबाज बुमराह की मौजूदगी टीम का मनोबल बढ़ाने वाली है। दोनों को वनडे में विश्राम दिया गया था। हार्दिक अपने कौशल से टी-20 टीम में संतुलन लाते हैं। उनकी मौजूदगी का मतलब है कि टीम प्रबंधन एक अतिरिक्त विशेषज्ञ खिलाड़ी को खिलाने का जोखिम उठा सकता है। बुमराह तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे।

### चक्रवर्ती तुरुप का इक्का

चक्रवर्ती टीम के तुरुप का इक्का होंगे, जिनके खिलाफ न्यूजीलैंड ने ज्यादा मैच नहीं खेले हैं। चक्रवर्ती के सातवें से 15वें ओवर के बीच के चार ओवर अक्सर मैच का रुख पलट देते हैं। कुलदीप की खराब फॉर्म को देखते हुए तमिलनाडु के इस खिलाड़ी को और भी बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत होगी।

## अफगानिस्तान ने वेस्टइंडीज को धोया

**दुबई।** अफगानिस्तान ने दो दिनों के भीतर वेस्टइंडीज को दूसरी बार शिकस्त देकर अपनी शानदार फॉर्म का प्रदर्शन किया है। रविवार को जहां अफगानिस्तान की जूनियर टीम ने अंडर-19 विश्व कप में वेस्टइंडीज को हराया, वहीं सोमवार को सीनियर टीम ने पहले टी-20 मुकाबले में 38 रन से जीत दर्ज की।

सोमवार को खेले गए पहले टी-20 मैच में कप्तान राशिद खान की अगुआई में अफगानिस्तान ने वेस्टइंडीज को हराकर सीरीज की जोरदार शुरुआत की। इस जीत में अफगान बल्लेबाजों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। अफगानिस्तान की जीत के नायक इब्राहिम जादरान और दरवेश रसूली रहे। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 162 रन की साझेदारी की, जो टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अफगानिस्तान की इस विकेट के लिए अब तक की सबसे बड़ी साझेदारी है।

### अर्धशतकीय पारियों से मजबूत स्कोर

इब्राहिम जादरान ने नाबाद 87 रन बनाए, जबकि दरवेश रसूली ने 84 रन की शानदार पारी खेली। दोनों की बदौलत अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 181 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम नौ विकेट पर 143 रन ही बना सकी। उसकी ओर से क्विंटिन सैंपसन ने 30, जोनाथन चार्ल्स ने 27, गुडाकेश मोती ने 28 और मैथ्यू फोर्डे ने 25 रन बनाए, लेकिन टीम जीत के करीब नहीं पहुंच सकी।

## बांग्लादेश अपनी टीम भारत नहीं भेजने के अड़ियल रुख पर अड़ा

**ढाका।** टी-20 विश्व कप को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और बांग्लादेश के बीच जारी विवाद सुलझने के आसार फिलहाल नजर नहीं आ रहे हैं। दोनों पक्ष अपने-अपने रुख पर अड़े हुए हैं, जिससे टूर्नामेंट की तैयारियों पर असर पड़ सकता है। बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरूल ने मंगलवार को एक बार फिर साफ किया कि बांग्लादेश की टीम किसी भी सूरत में टी-20 विश्व कप खेलने भारत नहीं जाएगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षा और राष्ट्रीय गौरव से जुड़े मुद्दों पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को विश्व कप में भागीदारी को लेकर 21 जनवरी तक अंतिम फैसला लेने का समय दिया है। यदि बीसीबी भारत में खेलने से इनकार करता है तो आईसीसी मौजूदा रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल कर सकता है।

### स्कॉटलैंड को मौका देने में समय की कमी

हालांकि आईसीसी के सामने समय की चुनौती भी है। अगर बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया जाता है, तो उसे तैयारियों के लिए कम से कम 15 दिन का समय देना होगा, जबकि टूर्नामेंट नजदीक है। आसिफ नजरूल ने पत्रकारों से कहा कि अगर आईसीसी भारतीय क्रिकेट बोर्ड के दबाव में बांग्लादेश पर अतार्किक शर्तें थोपने की कोशिश करता है, तो उन्हें यह स्वीकार नहीं होगा।

# बॉलीवुड

## नेहा कक्कड़ ने तलाक की अफवाहों पर दी प्रतिक्रिया

मशहूर गायिका नेहा कक्कड़ हाल ही में सोशल मीडिया पर शेयर की गई एक रहस्यमयी पोस्ट को लेकर चर्चा में आ गई हैं। उन्होंने कामकाजी जीवन और निजी रिश्तों से कुछ समय के लिए दूरी बनाने का इशारा किया था, लेकिन कुछ ही देर बाद उस पोस्ट को हटा दिया। इस कदम के बाद सोशल मीडिया पर उनके और पति रोहनप्रीत सिंह के रिश्ते को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगने लगीं, यहां तक कि तलाक की चर्चाएं भी तेज़ हो गईं। जब यह मामला बढ़ने लगा तो नेहा ने एक नई पोस्ट के जरिए स्थिति साफ की। उन्होंने लोगों से पति या परिवार से, और भावनाओं में आकर पोस्ट करना उनकी भूल थी। नेहा ने आगे कहा कि वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर फिलहाल कोई चर्चा नहीं करना चाहतीं। उन्होंने फैंस को भरोसा दिलाया कि वह जल्द ही दमदार वापसी करेंगी। इससे पहले की पोस्ट में उन्होंने जिम्मेदारियों, रिश्तों और काम से थोड़े वक्त का ब्रेक लेने की बात कही थी, साथ ही मीडिया से उनकी निजता का सम्मान करने की अपील भी की थी।

अपील की कि उनके पति और परिवार को इस विवाद में न घसीटा जाए। नेहा ने लिखा कि उनका परिवार हमेशा उनका सबसे बड़ा सहारा रहा है और आज वह जो कुछ भी हैं, उसी समर्थन की बदौलत हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी नाराजगी कुछ लोगों और सिस्टम से है, न कि अपने

## फिर पापा बनने जा रहे एटली

### पत्नी प्रिया के साथ शेयर की गुड न्यूज़

शाहरुख खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जवान' के निर्देशक एटली के घर जल्द ही खुशियों की दस्तक होने वाली है। एटली ने पत्नी प्रिया के साथ सोशल मीडिया पर यह खुशखबरी शेयर की है कि वे अपने दूसरे बच्चे का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। इस ऐलान के बाद से ही फिल्म इंडस्ट्री और फैंस की ओर से उन्हें लगातार बधाइयां मिल रही हैं। गौरतलब है कि एटली और प्रिया जनवरी 2023 में पहली बार माता-पिता बने थे, जब उनके बेटे मीर का जन्म हुआ था।

प्रिया ने अपनी मैटरनिटी फोटोशूट की कुछ खूबसूरत तस्वीरें भी शेयर की हैं। पहली तस्वीर में वह अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं, जहां उनके साथ पति एटली और बेटा मीर भी दिखाई दे रहे हैं। बाकी तस्वीरों में कपल एक-दूसरे के साथ खुशहाल अंदाज में पोज देता दिख रहा है। तस्वीरों के साथ प्रिया ने कैप्शन में लिखा, "हमारे घर में एक नए सदस्य के आने से और भी खुशनुमा माहौल बनने वाला है। आप सभी के आशीर्वाद, प्यार और प्रार्थनाओं की हमें बहुत जरूरत है।

इस खुशखबरी पर फिल्मी सितारों ने भी प्यार और शुभकामनाओं की बारिश कर दी है। सामंथा रुथ प्रभु ने लिखा, ₹बहुत ही खूबसूरत। मेरी प्यारी मां को बधाई।₹ कीर्ति सुरेश ने कमेंट किया, ₹बधाई हो मेरे प्यारे, ढेर सारा प्यार।₹ वहीं जाह्नवी कपूर ने लाल दिल वाले इमोजी के साथ अपनी खुशी जाहिर की। बता दें कि एटली और प्रिया ने साल 2014 में शादी की थी और उससे पहले दोनों करीब 8 साल तक एक-दूसरे को डेट कर चुके थे।

## 'लव एंड वॉर' 2026 में ही होगी रिलीज़

**इंडियन** फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'लव एंड वॉर' को लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं। भंसाली के भव्य विज़न वाली इस ग्रैंड हिस्टोरिकल ड्रामा में पहली बार आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल लीड रोल में एक साथ नजर आएंगे। शानदार सेट्स, दमदार कोरियोग्राफी और इमोशनल म्यूज़िक के लिए मशहूर भंसाली इस फिल्म के जरिए दर्शकों को एक यादगार सिनेमैटिक अनुभव देने की तैयारी में हैं। हाल ही में फिल्म की रिलीज़ को लेकर यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि 'लव एंड वॉर' 2027 में रिलीज़ होगी। हालांकि, फिल्म से जुड़े एक भरोसेमंद सूत्र ने इन खबरों को पूरी तरह खारिज करते हुए साफ किया है कि फिल्म 2026 में ही सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। सूत्र के मुताबिक, संजय लीला भंसाली हाल ही में फिल्म का एक गाना शूट कर चुके हैं, जबकि फिल्म के ज़्यादातर महत्वपूर्ण सीन पहले ही पूरे किए जा चुके हैं।

## फराह खान ने शाहरुख के साथ फिर फिल्म करने की जताई इच्छा

फराह खान कोरियोग्राफर के साथ-साथ एक सफल निर्देशक के तौर पर भी इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान रखती हैं। लंबे समय से दर्शक उनकी निर्देशन में वापसी का इंतजार कर रहे थे और अब खुद फराह खान ने इस पर मुहर लगा दी है। उन्होंने कन्फर्म किया है कि वह जल्द ही एक नई फिल्म के साथ डायरेक्टर की कुर्सी पर लौटने वाली हैं। खास बात यह है कि इस बड़े ऐलान के लिए न कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई और न ही किसी स्टूडियो की आधिकारिक घोषणा, बल्कि यह जानकारी एक घरेलू मुलाकात के दौरान सामने आई।

दरअसल, फराह खान अपने यूट्यूब व्लॉग्स के जरिए अक्सर फैंस से जुड़ी रहती हैं। हाल ही में टीवी अभिनेता नकुल मेहता से बातचीत के दौरान उन्होंने अपनी वापसी का संकेत दिया। नकुल ने उनसे कहा कि दर्शक उनकी बनाई फिल्मों को मिस कर रहे हैं। इस पर फराह ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया और साफ कर दिया कि वह फिर से निर्देशन की दुनिया में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और सही समय का इंतजार कर रही हैं। फराह खान ने यह भी इशारा दिया कि उनकी अगली फिल्म शाहरुख खान के साथ हो सकती है। उन्होंने कहा कि जैसे ही उनके बच्चे कॉलेज चले जाएंगे, वह फिल्म पर काम शुरू कर देंगी और संभव है कि साल के अंत तक प्रोजेक्ट पर हाथ डालें। मजाकिया अंदाज में उन्होंने यह भी कहा कि अगर निर्देशन करेंगी तो शाहरुख खान का ही इंतजार करेंगी,। वरना तब तक यूट्यूब पर काम करती रहेंगी।

# भाजपा में नवीन युग का आरंभ

एजेंसी । नई दिल्ली

**भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली स्थित मुख्यालय में आयोजित एक भव्य समारोह में नितिन नवीन ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। 45 वर्ष की आयु में इस पद पर पहुँचने वाले वे भाजपा के इतिहास के सबसे युवा अध्यक्ष बन गए हैं। उन्होंने निवर्तमान अध्यक्ष जे.पी. नड्डा का स्थान लिया है, जो उनके कार्यकाल के दौरान उनके मार्गदर्शक की भूमिका में रहे।**

नितिन नवीन ने भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभाला

**पार्टी में मेरे भी बॉस नवीन: पीएम**

## अनुभव और ऊर्जा का संगम

प्रधानमंत्री ने नवीन की प्रशंसा करते हुए उन्हें युवा ऊर्जा और गहरे संगठनात्मक अनुभव का संगम बताया। उन्होंने उल्लेख किया कि नवीन उस पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसने तकनीक के बदलते दौर को देखा है। मोदी ने चुटकी लेते हुए यह भी कहा कि ₹अब अध्यक्ष जी मेरी भी सीआर (Confidential Report) लिखेंगे,₹ जिस पर हॉल तालियों से गूंज उठा।

### नवीन का विजनः सेवा की साधना

पदभार संभालने के बाद नितिन नवीन ने भावुक होते हुए कहा कि उनके लिए राजनीति केवल सत्ता पाने का जरिया नहीं, बल्कि 'राष्ट्रसेवा की साधना' है। पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि वे एक साधारण कार्यकर्ता की भावना के साथ संगठन की अपेक्षाओं पर उतरने का प्रयास करेंगे।

### जमीनी कार्यकर्ता से शीर्ष तक का सफर

नितिन नवीन का अध्यक्ष बनना भाजपा की उस परंपरा को पुष्ट करता है जहाँ एक जमीनी कार्यकर्ता शीर्ष पद तक पहुँच सकता है। बिहार से पांच बार विधायक रहे और राज्य सरकार में कई महत्वपूर्ण मंत्रालय संभाल चुके नवीन ने छत्तीसगढ़ चुनाव में सह-प्रभारी के रूप में अपनी सांगठनिक क्षमता का लोहा मनवाया

### विपक्ष पर प्रहार और आत्ममंथन

समारोह के दौरान प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा की ताकत उसकी परिवर्तनशीलता और हार-जीत से सीखने की क्षमता है। कांग्रेस के पतन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जो दल आत्ममंथन नहीं करते, वे समय के साथ अप्रासंगिक हो जाते हैं, जबकि भाजपा हर चुनाव के बाद अपनी रणनीति का विश्लेषण करती है।

## पीएम मोदी का प्रेरक संबोधन

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल नवीन को बधाई दी, बल्कि एक बड़ा संदेश भी दिया। उन्होंने मंच पर नवीन को मिठाई खिलाई और प्रतीकात्मक रूप से कहा कि 'पार्टी के मामलों में अब नितिन नवीन मेरे बॉस हैं और मैं एक कार्यकर्ता हूँ।' प्रधानमंत्री का यह बयान भाजपा के भीतर पद की गरिमा और संगठनात्मक अनुशासन को प्रदर्शित करता है।

## निर्विरोध निर्वाचन और सांगठनिक पर्व

नितिन नवीन का चयन पूरी तरह लोकतांत्रिक और निर्विरोध रहा। 'संगठन पर्व' के समापन के बाद हुई चुनाव प्रक्रिया में सोमवार को केवल उनका ही नामांकन दाखिल हुआ था। प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह और राजनाथ सिंह जैसे दिग्गजों ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा था, जिसके बाद रिटर्निंग ऑफिसर ने उन्हें आधिकारिक रूप से विजयी घोषित किया।

## युवाओं से सक्रिय भागीदारी का आह्वान

नितिन नवीन ने अपने पहले संबोधन में देश के युवाओं को राजनीति से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राजनीति कोई '100 मीटर की दौड़' नहीं बल्कि एक 'मैराथन' है, जिसमें धैर्य और निरंतरता की आवश्यकता होती है। उन्होंने आने वाले विधानसभा चुनावों (बंगाल, तमिलनाडु, केरल आदि) के लिए कार्यकर्ताओं को अभी से कमर कसने को कहा।

# आवारा कुत्तों के मामले में मेनका गांधी को 'सुप्रीम' फटकार

**बिना सोचे बयान देना अवमानना के दायरे में : सुको**

एजेंसी । नई दिल्ली

**सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी को आवारा कुत्तों से जुड़े कोर्ट के आदेशों की आलोचना करने पर कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि ऐसे बयान अवमानना के दायरे में आते हैं, हालांकि इस मामले में औपचारिक आरोप लगाने से इनकार किया गया। उनके हालिया पॉडकास्ट पर नाराजगी जताते हुए अदालत ने कहा कि एक पशु अधिकार कार्यकर्ता होने के बावजूद गांधी ने बिना सोच-विचार के कई तरह की टिप्पणियां कीं और भारतीय जनता पार्टी की नेता की बॉडी लैंग्वेज पर भी सवाल उठाए, जो उचित नहीं है।**

### सुप्रीम कोर्ट ने लगाई कड़ी फटकार

जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया वाली सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने मेनका गांधी से सवाल किया कि, केंद्रीय मंत्री रहते हुए उन्होंने आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए किसी तरह के बजटीय प्रावधान दिलाने की कोशिश की थी या नहीं। कोर्ट ने यह भी याद दिलाया कि भारतीय जनता पार्टी की नेता रह चुकी गांधी पहले महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय और पशु कल्याण जैसे अहम मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाल चुकी हैं।

### मेनका गांधी के बयान पर जताई नाराजगी

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मेनका गांधी की तरफ से पेश हुए राजू रामचंद्रन को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा, "आप कह रहे हैं कि अदालत को टिप्पणी करते समय सतर्क रहना चाहिए, लेकिन क्या आपने अपने मुवक्किल से यह पूछा कि उन्होंने खुद किस तरह के बयान दिए हैं? क्या आपने उनका पॉडकास्ट सुना है? उन्होंने लगभग सभी के खिलाफ तरह-तरह की टिप्पणियां की हैं। क्या आपने उनकी बॉडी लैंग्वेज पर भी ध्यान दिया है?" सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने गांधी की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट राजू रामचंद्रन को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा, "आप यह कह रहे हैं कि अदालत को टिप्पणी करते समय सतर्क रहना चाहिए।

## न्यूज़ ब्रीफ

### 21 करोड़ की लागत से बना पानी टैंक ढहा

**सूरत।** गुजरात के सूरत में पानी के टैंकों को लेकर हैरान करने वाली घटना सामने आई हैं। यह घटना कमरेज तालुका के गयपागला गांव (तड़कश्वर) में हुई। यहां हाल ही में 21 करोड़ रुपये की लागत से नया पानी का टैंक बनाया गया था। लेकिन जैसे ही टैंक में पानी भरने का परीक्षण शुरू हुआ, वह जोरदार धक्के के साथ ढह गया।

### एआई प्रायोजन के लिए 270 करोड़ का करार

**नई दिल्ली।** बीसीसीआई ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले गूगल के एआई प्लेटफॉर्म जेमिनी के साथ 270 करोड़ रुपये का प्रायोजन करार किया है। जेमिनी की प्रतिद्वंद्वी कंपनी चैट जीपीटी महिला प्रीमियर लीग के प्रायोजकों में से एक है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया, यह करार तीन साल के लिए है और आईपीएल की वैश्विक अपील की बानगी देता है। बीसीसीआई को पिछले साल जर्सी के लिए नया प्रायोजक तलाशना पड़ा जब भारत सरकार ने ड्रीम 11 जैसे वास्तविक धन गेमिंग प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगा दिया था। बाद में अपोलो टायर 579 करोड़ रुपये के करार के बाद जर्सी का प्रायोजक बना। टाटा समूह के पास आईपीएल के टाइटल प्रायोजन अधिकार हैं। आईपीएल 2026 इस साल 26 मार्च से 31 मई तक खेला जाएगा।

### हीलियम गैस सिलेंडर में विस्फोट, एक मौत, 18 घायल

**कल्लाकुरिची।** तमिलनाडु के कल्लाकुरिची के मनलुरपेट्टई में थेनपेन्नई नदी महोत्सव के दौरान गुब्बारों में इस्तेमाल होने वाली हीलियम गैस से भरा एक सिलेंडर फट गया। इस हादसे में एक की मौत हो गई और कम से कम 18 घायल हो गए, जिसकी जानकारी तिरुवन्नामलाई के जिला कलेक्टर, के. थारपगराज ने दी। इससे पहले एक पुलिस अधिकारी ने मौत की अफवाहों का खंडन करते हुए कहा था कि विस्फोट स्थल पर तीन लोग बेहोश पाए गए और उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी जांच की जा रही है। अधिकारी ने यह भी बताया कि चार अन्य लोग भी घायल हुए हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना हीलियम गैस से भरे गुब्बारे बेचने वाली एक छोटी सी दुकान के अंदर हुई। बता दें कि तमिल में 'आत्रु तिरुविझा' कहलाने वाला यह त्योहार, जो अक्सर तमिल महीने 'थाई' (थाई पूसम) के पांचवें दिन विल्लुपुरम, कुड्डालोर और कल्लाकुरिची जैसे जिलों में मनाया जाता है और पोंगल फसल उत्सव के समापन का प्रतीक है, जो कि भारी भीड़ को आकर्षित करता है।

## कर्नाटक के डीजीपी लेवल के अधिकारी रामचंद्र राव सस्पेंड

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक पुलिस के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस DGP (सिविल राइट्स एनफोर्समेंट) को सस्पेंड कर दिया गया है। सोमवार (19 जनवरी) को उनका एक अश्लील वीडियो सामने आया था, जिसके बाद सरकार ने उनके खिलाफ कार्रवाई की है। वायरल वीडियो में DGP के. रामचंद्र राव कई महिलाओं के साथ आपत्तिजनक हालत में दिख रहे थे। वीडियो सामने आने के बाद CM सिद्धरमैया ने कहा था कि अगर अधिकारी दोषी पाए गए तो कार्रवाई की जाएगी। वीडियो वायरल होने के बाद DGP गृह मंत्री जी परमेश्वर से मिलने पहुंचे लेकिन उनकी मुलाकात नहीं हो सकी। गृहमंत्री के घर से निकलने के बाद DGP ने पत्रकारों से कहा था कि वीडियो झूठा और मॉर्फ्ड है। उन्होंने कहा कि आगे के एक्शन के बारे में वकील से बात करेंगे। दैनिक भास्कर इस वायरल तस्वीर की पुष्टि नहीं करता है। राव ने अश्लील तरीके से काम किया है।

# ऑस्ट्रेलिया में नफरती भाषण और हथियार नियंत्रण के कानून पारित

एजेंसी । मेलबर्न

ऑस्ट्रेलियाई संसद ने मंगलवार को नफरती भाषण और हथियार नियंत्रण से जुड़े नए कानून पारित कर दिए। ये कानून पिछले महीने सिडनी के बॉन्डी बीच पर हनुक्का उत्सव मना रहे यहुदियों पर हुए जानलेवा हमले के बाद पेश किए गए थे। सरकार ने शुरुआत में दोनों मुद्दों को एक ही कानून में शामिल करने की योजना बनाई थी, लेकिन बाद में इन्हें दो अलग-अलग विधेयकों के रूप में लाया गया। सीनेट में हथियार नियंत्रण कानून 38-26 मतों से पारित हुआ। इसके तहत ऑस्ट्रेलिया में बंदूक रखने वाले लोगों पर नए प्रतिबंध लगाए जाएंगे। इसके अलावा सरकार की गन बायबैक नीति के तहत लोगों से बंदूकें खरीदी जाएंगी। आम नागरिकों के लिए चार बंदूकों तक की सीमा तय की गई है, जबकि किसानों को अधिकतम 10 हथियार रखने की अनुमति होगी। सीनेट में नफरती भाषण कानून 38-22 मतों से पारित हुआ। इसके तहत ऐसे कट्टरपंथी समूहों पर भी प्रतिबंध लगाया जा सकेगा, जो आतंकवादी संगठन की कानूनी परिभाषा में नहीं आते।

### हमले का यह सिलसिला रोकने की कोशिश

गृह मामलों के मंत्री टोनी बर्क ने कहा कि यदि प्रस्तावित कानून उस समय लागू होते तो बॉन्डी बीच हमले में शामिल साजिद अकरम और उसके बेटे नवीद अकरम बंदूक नहीं रख पाते। उन्होंने बताया कि नए नियम हथियारों पर बेहतर नियंत्रण और भविष्य में ऐसे हमलों को रोकने में मदद करेंगे।

### बॉन्डी बीच हमले का विवरण

14 दिसंबर को हुए इस हमले में साजिद अकरम पुलिस कार्रवाई में मारा गया था। उसका बेटा नवीद अकरम घायल हुआ और उस पर 15 हत्या के आरोप सहित दर्जनों अन्य आरोप और आतंकी गतिविधियों का मामला दर्ज किया गया है। सरकार का कहना है कि इन कानूनों से न केवल हथियारों पर कड़ी निगरानी रहेगी बल्कि कट्टरपंथी गतिविधियों और नफरत भरे भाषणों को नियंत्रित करने में भी मदद मिलेगी। इससे भविष्य में इस तरह के हिंसक और आतंकवादी हमलों की संभावना को कम करने की उम्मीद जताई जा रही है।

# मछुआरे की पाक जेल में मौत

एजेंसी । पोरबंदर

**तीन साल पहले ही पूरी हो चुकी थी सजा**

गुजरात के एक मछुआरे की कराची जेल में 16 जनवरी को मौत हो गई। एक कार्यकर्ता ने बताया कि 2022 में पाकिस्तानी एजेंसियों ने अंतरराष्ट्रीय सीमा रेखा अनजाने में पार करने के बाद पकड़ लिया था। उसने लगभग तीन साल पहले ही अपनी सजा पूरी कर ली थी। उसकी मौत के एक महीने से भी कम समय बाद मछली पकड़ने वाले समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर पाकिस्तानी जेलों में बंद ऐसे लोगों की रिहाई में तेजी लाने का अनुरोध किया था। शांति कार्यकर्ता जतिन देसाई ने सोमवार को बताया कि 16 जनवरी को कराची की मलिर जेल में एक मछुआरे की मौत हो गई। यह कार्यकर्ता उन भारतीय मछुआरों के मुद्दे को उठा रहे हैं, जिन्हें मछली पकड़ने के दौरान अनजाने में अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) पार करने के बाद पाकिस्तान में पकड़कर जेल में डाल दिया जाता है।

# छात्र आंदोलन के दौरान हत्या मामले में फैसला टला

26 जनवरी को आईसीटी-बीडी सुनाएगा फैसला

एजेंसी । ढाका

बांग्लादेश में वर्ष 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान हुई हत्याओं से जुड़े अहम मामले में फैसला मंगलवार को टल गया। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) ने कहा कि निर्णय अभी तैयार नहीं हो पाया है, इसलिए अब इसे छह दिन बाद सुनाया जाएगा। आईसीटी-बीडी के न्यायमूर्ति गोलाम मोर्तुजा मोजुमदार ने अदालत में कहा, "हमें खेद है कि फैसला अभी तैयार नहीं हो सका है। अब 26 जनवरी को निर्णय सुनाया जाएगा।" इस

### आठ पुलिसकर्मियों पर गंभीर आरोप

इस मामले में आठ पुलिसकर्मियों पर मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि वर्ष 2024 के हिंसक छात्र आंदोलन के दौरान इन अधिकारियों की भूमिका में छह लोगों की हत्या की गई थी। आरोपियों में ढाका के तत्कालीन पुलिस आयुक्त हबीबुर रहमान, पूर्व संयुक्त आयुक्त सुदीप कुमार चक्रवर्ती और छह अन्य पुलिस अधिकारी शामिल हैं। इन सभी पर आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में सीधे तौर पर शामिल होने का आरोप है।

## पंजाब केसरी को राहत, प्रिंटिंग प्रेस का संचालन जारी रखने का आदेश

**नई दिल्ली।** पंजाब केसरी समूह के प्रिंटिंग प्रेस पर बिजली काटे जाने के बाद अखबार बंद होने की आशंका के बीच सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि प्रिंटिंग प्रेस अबाधित रूप से जारी रहेगा और बाकी संपत्तियों में यथास्थिति कायम रहेगी। यह आदेश हाई कोर्ट के फैसले के एक सप्ताह बाद तक लागू रहेगा। पंजाब केसरी समूह की याचिका पर मंगलवार को तत्काल सुनवाई करते हुए कोर्ट ने यह अंतरिम आदेश दिया। वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष मामले का जिक्र करते हुए तत्काल सुनवाई की मांग की। रोहतगी ने कहा कि पंजाब केसरी ने पंजाब सरकार के खिलाफ एक लेख प्रकाशित किया था, जिसके कारण उनके प्रिंटिंग प्रेस और होटल पर कार्रवाई की गई।

# राज्य पुलिस कर सकती है केंद्रीय कर्मचारियों की जांच

भ्रष्टाचार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया

एजेंसी । नई दिल्ली

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार की जांच एजेंसियां केंद्रीय कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की जांच कर सकती हैं और संबंधित अदालत में चार्जशीट भी दाखिल कर सकती हैं। इसके लिए उन्हें केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) से पूर्व अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि राज्य सरकार की जांच एजेंसियों द्वारा दाखिल चार्जशीट को केवल इस आधार पर अमान्य नहीं ठहराया जा सकता कि उसे सीबीआई की मंजूरी प्राप्त नहीं थी। अदालत ने साफ किया कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत राज्य एजेंसियों के अधिकार सीमित नहीं हैं।

### राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा

शीर्ष अदालत ने राजस्थान हाईकोर्ट के एक फैसले को चुनौती देने वाली अपील को खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने केंद्रीय कर्मचारी के खिलाफ राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) द्वारा दर्ज मामले को रद्द करने से इनकार किया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने सही ठहराया। इस मामले में केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (CPWD) के कर्मचारी नवल किशोर मीणा को सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली। अदालत ने राज्य जांच एजेंसी या पुलिस अधिकारियों के पास केंद्रीय कर्मियों द्वारा किए गए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दंडनीय अपराधों की जांच करने और आरोपपत्र दाखिल करने का पूरा अधिकार है।

### सीबीआई के एकाधिकार की दलील खारिज

शीर्ष अदालत ने केंद्रीय कर्मचारी की उस दलील को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि दिल्ली स्पेशल पुलिस एस्टैब्लिशमेंट एक्ट के तहत केवल सीबीआई को ही केंद्रीय कर्मचारियों से जुड़े मामलों में केस दर्ज करने और जांच करने का अधिकार है।

**मिसाइल सबमरीन** चीन ने अपनी नई टाइप 096 टैंग-क्लास बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी का किया अनावरण

# समुद्र के अंदर से अमेरिका तक हमला करने में सक्षम है परमाणु पनडुब्बी

एजेंसी । बीजिंग

चीन ने समुद्र के भीतर अपनी परमाणु ताकत को और मजबूत करते हुए नई टाइप 096 टैंग-क्लास बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी लॉन्च की है। इसे चीन की अब तक की सबसे ताकतवर और सबसे गुप्त परमाणु पनडुब्बियों में से एक माना जा रहा है।

### समुद्र में चीन की बड़ी रणनीतिक छलांग

टाइप 096 के लॉन्च को समुद्र में शक्ति संतुलन के लिहाज से अहम माना जा रहा है। अब तक समुद्र के नीचे परमाणु ताकत में अमेरिका और रूस का दबदबा रहा है, लेकिन इस पनडुब्बी के साथ चीन भी लगभग उनके बराबर खड़ा हो गया है। यह चीन की परमाणु प्रतिरोध नीति में बड़ा बदलाव दर्शाती है।

### अमेरिका तक मार करने वाली जेएल-3 मिसाइल

इस पनडुब्बी की सबसे बड़ी ताकत इसमें लगी जेएल-3 बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसकी रेंज 10,000 से 12,000 किलोमीटर बताई जा रही है। यानी यह समुद्र के भीतर से ही अमेरिका जैसे दूरस्थ देशों को निशाना बनाने में सक्षम है।

### बेहद शांत और पकड़ में न आने वाली तकनीक

पुरानी चीनी पनडुब्बियों की कमजोरी ज्यादा शोर मानी जाती थी, लेकिन टाइप 096 में इस कमी को दूर किया गया है। इसमें उन्नत शोर-नियंत्रण तकनीक, रबर जैसी कोटिंग और पंप-जेट प्रोपल्शन सिस्टम का इस्तेमाल किया गया है, जिससे यह केवल 90 डेसिबल का शोर करती है।

### अपनी सुरक्षा में भी घातक

रिपोर्ट्स के मुताबिक यह पनडुब्बी सिर्फ हमला करने में ही नहीं, बल्कि खुद की रक्षा में भी सक्षम है। इसमें वाईयू-6 हाई-स्पीड टॉरपीडो, उन्नत सोनार सिस्टम और भटकाने वाले यंत्र लगे हैं, जो दुश्मन के जहाजों और पनडुब्बियों को नष्ट कर सकते हैं। टाइप 096 का वजन 15,000 से 20,000 टन के बीच बताया गया है और यह 650 मीटर से अधिक गहराई तक जा सकती है।

## पाकिस्तान सीनेट में नेता प्रतिपक्ष बने नासिर अब्बास

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान की सीनेट (उच्च सदन) में मंगलवार को मजलिस वाहदत-ए-मुस्लिमीन (एमडब्ल्यूएम) के नेता राजा नासिर अब्बास को विपक्ष का नेता नियुक्त किया गया। नासिर अब्बास को पिछले साल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थन से सीनेट का सदस्य चुना गया था। यह नियुक्ति ऐसे समय हुई है जब जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी लगातार सहयोगियों को महत्वपूर्ण पदों पर ला रही है। कुछ दिन पहले ही पीटीआई के एक अन्य सहयोगी पार्टी पश्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के नेता महमूद खान अचकजई को नेशनल असेंबली में विपक्ष का नेता बनाया गया था। सीनेट सचिवालय ने अधिसूचना जारी कर कहा कि सीनेट नियमों के तहत अध्यक्ष यूसुफ रजा गिलानी ने राजा नासिर अब्बास को तत्काल प्रभाव से विपक्ष का नेता घोषित किया है।